CTET Paper-I Answer Key (07 July 2024)

Q.1 सीखने वाले अधिगम की प्रक्रिया में तब सक्रिय रूप से शामिल महसूस करते हैं जब:

A. उनके पूर्व ज्ञान को त्याग दिया जाता है और नकार दिया जाता है।
B. गतिविधियाँ उनके संदर्भ से संबंधित होती हैं।
C. अधिगम का ध्यान पुनरावृत्ति और याद रखने पर होता है।
D. सीखने वालों की सामाजिक-भावनात्मक ज़रूरतों को नज़रअंदाज़ किया जाता है।

Answer: B

Sol: शिक्षार्थियों के संदर्भ से संबंधित गतिविधियाँ अधिगम को अधिक सार्थक और प्रासंगिक बनाती हैं, जिससे जुड़ाव और सक्रिय भागीदारी बढ़ती है। जब छात्र नई जानकारी को अपने अनुभवों और ज्ञान से जोड़ सकते हैं, तो उनके रुचि लेने और प्रेरित होने की संभावना अधिक होती है। पूर्व ज्ञान को त्यागना, दोहराव और याद करने पर ध्यान केंद्रित करना, या सामाजिक-भावनात्मक आवश्यकताओं को अनदेखा करना सार्थक जुड़ाव में योगदान नहीं देता है।

Q.2 अभिकथन **A:** प्रभावी शिक्षण सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को कक्षा में बच्चों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करना चाहिए।
कारण **R:** भावनाएँ और अनुभूति एक दूसरे से जटिल तरीकों से संबंधित हैं।
सही विकल्प चुनें।

A. A और R दोनों असत्य हैं।
B. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
C. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
D. A सत्य है लेकिन R असत्य है।

Answer: B

Sol: A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है। भावनाएँ संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं जैसे ध्यान, स्मृति और समस्या-समाधान को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं। भावनात्मक समर्थन प्रदान करके, शिक्षक एक सकारात्मक शिक्षण वातावरण बनाने में मदद करते हैं जो संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली और सीखने के परिणामों को बढ़ाता है।

Q.3 'सीखने में कठिनाई' वाले बच्चे आमतौर पर:

A. मानक बुद्धि परीक्षणों के माध्यम से निदान के अनुसार बहुत कम आईक्यू रखते हैं।
B. उनकी खराब दृष्टि के कारण पढ़ने में कठिनाई होती है।
C. उनकी भावनाओं को नियंत्रित करने में समस्या होती है।
D. समान दिखने वाले अक्षर और वर्णमाला को लेकर भ्रम होता है।

Answer: D

Sol: सीखने की कठिनाइयों वाले बच्चे अक्सर एक जैसे दिखने वाले अक्षरों और वर्णमालाओं को भ्रमित करते हैं, जो मानसिक विकार/डिस्लेक्सिया का एक विशिष्ट लक्षण है, जो एक आम सीखने की कठिनाई है। वे 'b' और 'd' या 'p' और 'q' को मिला सकते हैं। सीखने की कठिनाइयाँ जरूरी नहीं कि कम IQ या खराब दृष्टि से जुड़ी हों, बल्कि विशिष्ट संज्ञानात्मक प्रसंस्करण चुनौतियों से जुड़ी होती हैं।

Q.4 निम्नलिखित में से कौन सा कथन प्रगतिशील शिक्षा में शिक्षक की भूमिका का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

A. शिक्षक बच्चों को स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए प्रेरित करता है।
B. शिक्षक ज्ञान का प्राथमिक स्रोत है।
C. शिक्षक एक सुविधाकर्ता के रूप में कार्य करता है।
D. शिक्षक निर्धारित पाठ्यक्रम को 'जैसा है' लागू करता है।

Answer: C

Sol: प्रगतिशील शिक्षा में, शिक्षक एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करता है जो छात्रों को उनकी सीखने की प्रक्रिया में मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करता है, तथा उन्हें केवल ज्ञान प्रदान करने के बजाय स्वयं की समझ का अन्वेषण करने और निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

Q.5 प्रतिभाशाली बच्चों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. प्रतिभाशाली छात्र अन्य छात्रों की तुलना में तुलनात्मक रूप से उन्नत गति से सीखते हैं।
B. प्रतिभाशाली बच्चे सीखने की अक्षमता के जोखिम से मुक्त होते हैं।
C. प्रतिभाशाली बच्चे निश्चित रूप से शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट होते हैं।
D. प्रतिभाशाली छात्र हमेशा खुश, लोकप्रिय और अच्छी तरह से समायोजित होते हैं।

Answer: A

Sol: प्रतिभाशाली छात्र आमतौर पर अपने साथियों की तुलना में अधिक तेज़ी से सीखते हैं। वे अक्सर अवधारणाओं को अधिक तेज़ी से समझते हैं और उन्हें कम दोहराव की आवश्यकता होती है। हालाँकि, वे सीखने की अक्षमताओं से अछूते नहीं हैं और सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट नहीं हो सकते हैं या सामाजिक या भावनात्मक रूप से अच्छी तरह से समायोजित नहीं हो सकते हैं।

Q.6 जीन पियाजे के अनुसार, पूर्व-संचालन चरण की विशेषता निम्नलिखित कार्य करने की क्षमता है:

A. प्रतीकात्मक खेल और जीववाद
B. वर्गीकरण और अनुक्रमण
C. संरक्षण और अमूर्त सोच
D. अनुकरण और प्रतिवर्तीता

Answer: A

Sol: पियाजे के अनुसार, प्री-ऑपरेशनल चरण 2 से 7 वर्ष की आयु तक फैला हुआ है और इसमें प्रतीकात्मक खेल (अन्य चीजों का प्रतिनिधित्व करने के लिए वस्तुओं का उपयोग करना) और एनिमिज्म (निर्जीव वस्तुओं को सजीव गुण प्रदान करना) शामिल है। इस चरण में वर्गीकरण, क्रम-निर्धारण, संरक्षण और अमूर्त सोच जैसे तार्किक संचालन का अभाव है।

Q.7 आलोचनात्मक सोच वाले प्रश्न पूछने का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

A. छात्रों को जानकारी याद रखने के लिए प्रोत्साहित करना।
B. छात्रों को प्रक्रियात्मक ज्ञान विकसित करने में सक्षम बनाना।
C. छात्रों के ज्ञान और समझ कौशल का आकलन करना।
D. उच्च-स्तरीय सोच और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देना।

Answer: D

Test Prime By Adda247

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

Test. Analyze. Improve. Repeat.

Don't just prepare. Perform.

Test Prime — built only for mock tests.

1,50,000+ Mock Tests

25,000+ Previous Year Papers

800+ Exam Covered

500% Refund on Selection

5 lakh+ Free Quizzes

Daily Free PDFs

Job Alerts Stay Updated

- Multilingual
- Detailed Solution
- Strong and Weak Areas

All India Rankings

Compete with lakhs.
Rank. Improve. Repeat.

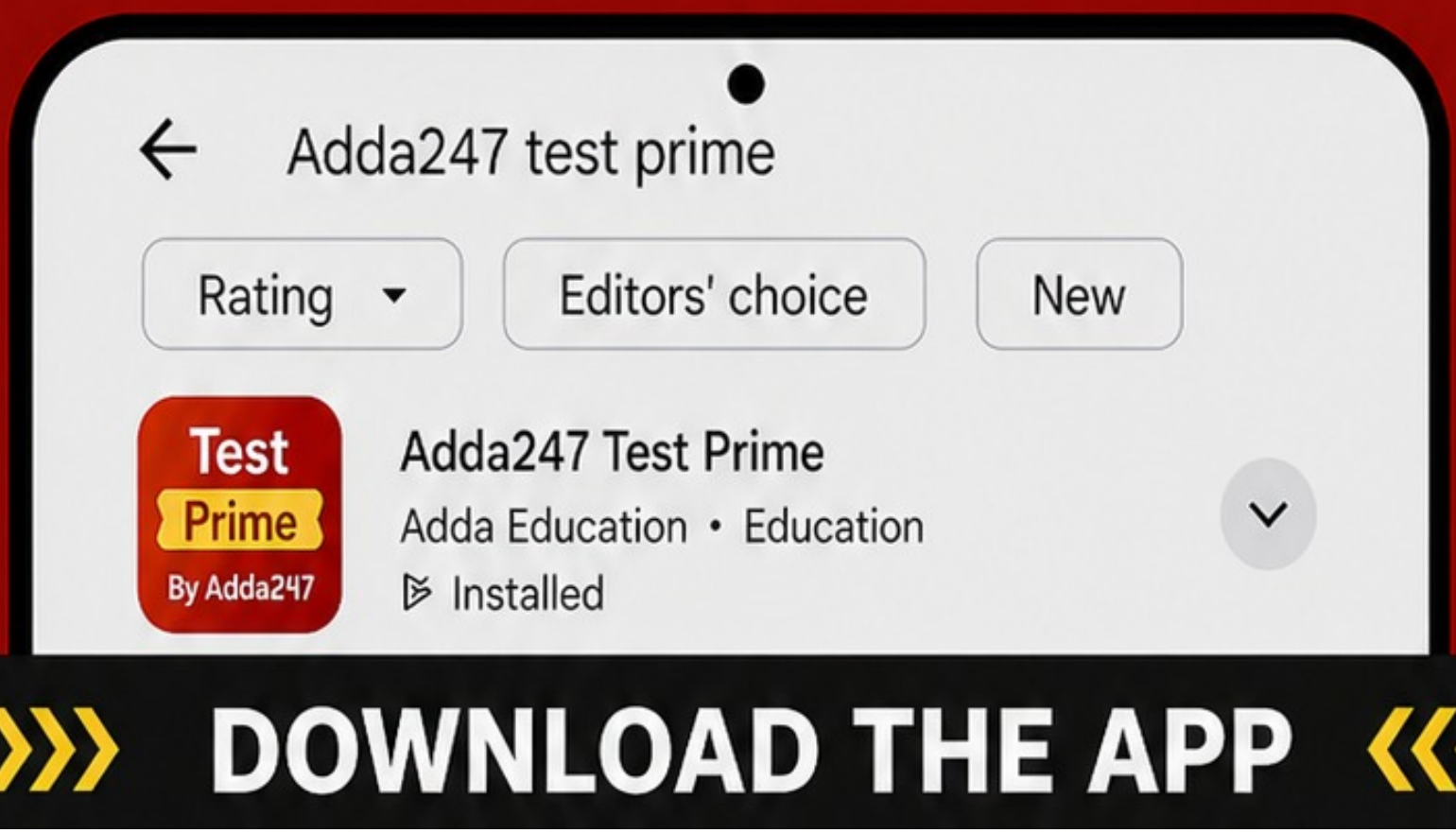

DOWNLOAD THE APP

Sol: आलोचनात्मक सोच वाले प्रश्नों का उद्देश्य उच्च-स्तरीय सोच और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देना है। ये प्रश्न छात्रों को केवल तथ्यों को याद करने के बजाय जानकारी का विश्लेषण, मूल्यांकन और संश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

Q.8 आनुवंशिकता किसी व्यक्ति का पूर्णतः निर्धारण करती है?

I. लिंग
II. लिंग
III. शैक्षणिक सफलता
IV. अधिगम की शैली

A. II, III, IV
B. I
C. II
D. I, III, IV

Answer: B

Sol: आनुवंशिकता किसी व्यक्ति के लिंग को पूरी तरह से निर्धारित करती है, जो आनुवंशिक कारकों (महिलाओं के लिए XX, पुरुषों के लिए XY) पर आधारित होती है। लिंग, शैक्षणिक सफलता और सीखने की शैली आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारकों के संयोजन से प्रभावित होती है।

Q.9 बच्चों की लंबाई और भार में वृद्धि किसका उदाहरण है:

A. संज्ञानात्मक क्षेत्र में परिवर्तन
B. मात्रात्मक परिवर्तन
C. गुणात्मक परिवर्तन
D. भावात्मक क्षेत्र में परिवर्तन

Answer: B

Sol: ऊंचाई और भार में वृद्धि मात्रात्मक परिवर्तन को दर्शाती है, क्योंकि इसमें मापने योग्य, शारीरिक विकास शामिल है। यह संज्ञानात्मक क्षमताओं या भावनात्मक स्थितियों में परिवर्तन से अलग है, जो प्रकृति में गुणात्मक हैं।

Q.10 लेव वायगोत्स्की के अनुसार, बच्चे अपने व्यवहार को स्वयं नियंत्रित करते हैं क्योंकि वे:

A. आत्म-सुदृढ़ीकरण का उपयोग करते हैं।
B. अनुकूलन की प्रक्रियाएँ
C. आंतरिक वाणी का उपयोग करते है।
D. संतुलन की प्रक्रिया

Answer: C

Sol: वायगोत्स्की ने बच्चों में आत्म-नियमन के लिए एक महत्वपूर्ण तंत्र के रूप में आंतरिक भाषण के उपयोग पर जोर दिया। आंतरिक भाषण बच्चों को उनकी गतिविधियों की योजना बनाने और उन्हें निर्देशित करने में सहायता करता है और संज्ञानात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

Q.11 विकास के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

A. विकास के विभिन्न पहलू एक दूसरे से स्वतंत्र हैं।
B. विकास एक असंतत प्रक्रिया है
C. विकास सर्पिल तरीके से होता है, रैखिक नहीं।
D. विकास विशिष्ट से सामान्य की ओर बढ़ता है।

Answer: C

Sol: विकास सर्पिल तरीके से होता है, रैखिक नहीं। इसका अर्थ है कि विकास एक गतिशील प्रक्रिया है जिसमें प्रगति और प्रतिगमन होता है, जहाँ कौशल और योग्यताएँ एक दूसरे पर जटिल, गैर-रैखिक तरीके से बनती हैं।

Q.12 कक्षा 5 के बच्चों के लिए तैरने और डूबने की प्रत्येक अवधारणा के लिए रचनात्मकता में दृढ़ता से विश्वास करने वाले शिक्षकों द्वारा कौन सा शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा?

A. निर्देशित खोज
B. व्याख्यान पद्धति
C. वीडियो दिखाना
D. पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिखाना

Answer: A

Sol: निर्देशित खोज एक रचनावादी दृष्टिकोण है, जिसमें विद्यार्थी व्यावहारिक गतिविधियों और शिक्षक की सुविधा के माध्यम से अवधारणाओं का अन्वेषण करते हैं, जिससे वे अपनी समझ का निर्माण करने में सक्षम होते हैं।

Q.13 विभिन्न लिंगों के व्यवहार के बारे में पूर्वकल्पित सामान्यीकरण को कहा जाता है:

A. लिंग टाइपिंग
B. लिंग रूढ़िवादिता
C. लिंग भेदभाव
D. लिंग पहचान

Answer: B

Sol: लिंग रूढ़िवादिता पुरुषों और महिलाओं की विशेषताओं, अंतरों और भूमिकाओं के बारे में अति सरलीकृत सामान्यीकरण हैं। ये अक्सर सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से निर्मित मान्यताएँ होती हैं।

Q.14 समावेशी कक्षा में:

A. सभी बच्चे एक ही पाठ्यक्रम का पालन करते हैं और सभी शिक्षार्थियों के लिए एक समान शिक्षण पद्धति अपनाई जाती है।
B. 'विशेष बच्चे' हमेशा अपने पाठ्यक्रम पर काम करते हैं।
C. सभी बच्चों की कक्षा गतिविधियों तक पहुँच होती है और उन्हें कक्षा में शामिल किया जाता है।
D. 'विशेष' बच्चों को ज़रूरतमंद और आश्रित माना जाता है।

Answer: C

Sol: समावेशी कक्षा में सभी बच्चों को कक्षा की गतिविधियों तक पहुँच प्राप्त होती है और वे उनमें शामिल होते हैं। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक छात्र, चाहे उसकी योग्यता कुछ भी हो, समान शिक्षण अनुभवों में भाग ले।

Q.15 लेव वायगोत्स्की के सिद्धांत के अनुसार, छात्रों के सीखने के अनुभव को अनुकूलित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा दृष्टिकोण अनुशंसित है?

A. छात्रों को ऐसा काम प्रदान करना जिसे वे व्यक्तिगत रूप से प्रबंधित और पूरा कर सकें।
B. छात्रों को ऐसा काम प्रदान करना जो उनकी समझ के वर्तमान स्तर से पूरी तरह से असंबंधित हो।
C. छात्रों को ऐसा काम प्रदान करना जो उनकी समझ के वर्तमान स्तर से थोड़ा परे हो, उचित समर्थन और मार्गदर्शन के साथ।
D. छात्रों को कोई समर्थन न देना और उन्हें अपने दम पर संघर्ष करना सिखाना।

Answer: C

Sol: वायगोत्स्की की समीपस्थ विकास क्षेत्र (ZPD) की अवधारणा, सीखने को अनुकूलित करने के लिए, उपयुक्त ढांचे के साथ ऐसे कार्य प्रदान करने पर जोर देती है जो शिक्षार्थी की वर्तमान क्षमताओं से थोड़ा परे हों।

Q.16 हेंज की दुविधा के सामने आने पर, अरुणिमा ने तर्क दिया: "कानून इन परिस्थितियों के लिए नहीं बनाया गया था। इस स्थिति में दवा लेना बिल्कुल भी सही नहीं है, लेकिन यह उचित है।" लॉरेंस कोहलबर के सिद्धांत के अनुसार अरुणिमा नैतिक विकास के किस चरण में है?

A. साधन उद्देश्य और विनिमय
B. सामाजिक सरोकार और विवेक
C. विपरीतता की नैतिकता, व्यक्तिगत अधिकारों की और लोकतांत्रिक रूप से
D. दंड और आज्ञाकारिता के प्रति अभिविन्यास स्वीकृत कानून

Answer: C

Sol: अरुणिमा का तर्क कोहलबर्ग के अनुबंध की नैतिकता, व्यक्तिगत अधिकारों और लोकतांत्रिक रूप से स्वीकृत कानून (चरण 5) के चरण से मेल खाता है। इस चरण में यह समझना शामिल है कि कानून सामाजिक अनुबंध हैं जिन्हें व्यापक भलाई के लिए आवश्यक होने पर बदला जा सकता है।

Q.17 गणित में अपने खराब अंकों के बारे में बात करते हुए अवि कहता है, "मुझे संख्याओं की समझ नहीं है। अवि अपने प्रदर्शन का श्रेय इस बात को देता है:"

A. योग्यता की कमी
B. किस्मत
C. कार्य में कठिनाई
D. प्रयास की कमी

Answer: A

Sol: अवि अपने प्रदर्शन का श्रेय योग्यता की कमी को देती हैं, तथा संकेत करती हैं कि उनका मानना है कि अंकों के साथ उनकी कठिनाई, बाह्य कारकों या प्रयास के कारण नहीं बल्कि अंतर्निहित कमी के कारण है।

Q.18 अभिकथन A: जबकि कुछ बच्चे 12 महीने की आयु में बड़बड़ाना और दो शब्दों के वाक्य बोलना आरम्भ कर देते हैं, अन्य 20 महीने की आयु तक ऐसा नहीं करते हैं।
कारण R: विकास के मील के पत्थर केवल संकेतात्मक होते हैं और प्रत्येक बच्चे का विकास काफी भिन्न हो सकता है।
सही विकल्प चुनें।

A. A और R दोनों गलत हैं।
B. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
C. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
D. A सत्य है लेकिन R असत्य है।

Answer: B

Sol: A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है। विकासात्मक मील के पत्थर सामान्य दिशानिर्देश प्रदान करते हैं, लेकिन व्यक्तिगत परिवर्तनशीलता का अर्थ है कि बच्चे इन मील के पत्थरों तक अलग-अलग समय पर पहुंचते हैं।

Q.19 निम्नलिखित में से कौन-सी एक अच्छी तरह से तैयार किए गए आलोचनात्मक सोच प्रश्न की विशेषता नहीं है?

A. यह उच्च-स्तरीय सोच और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देता है।
B. यह खुला-समाप्त होता है और कई उत्तरों की अनुमति देता है।
C. यह मुख्य रूप से तथ्यात्मक जानकारी पर आधारित होता है।
D. इसमें जानकारी के विश्लेषण और मूल्यांकन की आवश्यकता होती है।

Answer: C

Sol: एक अच्छी तरह से तैयार किया गया आलोचनात्मक सोच वाला प्रश्न मुख्य रूप से तथ्यात्मक जानकारी पर आधारित नहीं होता है। इसके बजाय, इसे जानकारी के गहन विश्लेषण, मूल्यांकन और संश्लेषण को प्रोत्साहित करना चाहिए।

Q.20 अभिकथन A: शिक्षकों को बच्चों के साथ काम करते समय लगातार अपने दृष्टिकोण और पूर्वाग्रहों की जांच करनी चाहिए।
कारण R: समस्या-समाधान की प्रक्रिया कार्यात्मक स्थिरता से बाधित होती है।
सही विकल्प चुनें।

A. A और R दोनों गलत हैं।
B. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
C. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
D. A सत्य है लेकिन R गलत है।

Answer: C

Sol: A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है। निष्पक्ष और प्रभावी शिक्षण के लिए शिक्षकों द्वारा अपने पूर्वाग्रहों की जांच करना महत्वपूर्ण है, जबकि कार्यात्मक स्थिरता विशेष रूप से संज्ञानात्मक पूर्वाग्रह को संदर्भित करती है, जो परिचित वस्तुओं को नए तरीकों से उपयोग करना मुश्किल बनाकर समस्या-समाधान करने की क्षमता को सीमित करती है।

Q.21 अभिकथन A: विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कक्षा शिक्षण को सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी होना चाहिए।
कारण R: कक्षा में समानता केवल मानकीकृत पाठ्यक्रम और मूल्यांकन के माध्यम से सुनिश्चित की जा सकती है।
सही विकल्प चुनें।

A. A और R दोनों असत्य हैं।
B. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
C. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
D. A सत्य है लेकिन R असत्य है।

Answer: D

Sol: A सत्य है लेकिन R असत्य है। सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षण पद्धति छात्रों की विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को पहचानती है और शिक्षण में शामिल करती है, जिससे सीखना अधिक प्रासंगिक और प्रभावी हो जाता है। समानता केवल मानकीकृत पाठ्यक्रम और मूल्यांकन के माध्यम से प्राप्त नहीं की जा सकती है, क्योंकि ये अक्सर सांस्कृतिक अंतर और विविध सीखने की ज़रूरतों को ध्यान में रखने में विफल रहते हैं।

Q.22 हॉवर्ड गार्डनर की बुद्धिमत्ता की अवधारणा में यह निहित है कि:

A. बुद्धिमत्ता केवल 'व्यावहारिक' सीखने के बारे में है।
B. पत्येक कोई विश्व को एक ही तरह से संसाधित और समझता है।
C. मनुष्य अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं में भिन्न होते हैं।
D. बुद्धिमत्ता का केवल एक ही आयाम है।

Answer: C

Sol: हॉवर्ड गार्डनर के मल्टीपल इंटेलिजेंस सिद्धांत के अनुसार व्यक्तियों में अलग-अलग तरह की बुद्धि होती है, जैसे भाषाई, तार्किक-गणितीय, स्थानिक, संगीतमय, शारीरिक-गतिशील, पारस्परिक, अंतःवैयक्तिक और प्राकृतिक। इस विविधता का अर्थ है कि लोग दुनिया को अलग-अलग तरीकों से समझते और समझते हैं, अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं।

Q.23 निम्नलिखित में से कौन सी सार्थक सीखने के लिए प्रभावी स्मृति तकनीक नहीं है?

A. विस्तृत पूर्वाभ्यास
B. रटने का पूर्वाभ्यास
C. स्मृति सहायक
D. अवधारणा मानचित्रण

Answer: B

Sol: रटकर अभ्यास करने में बिना समझे दोहराव के माध्यम से जानकारी को याद करना शामिल है, जो सार्थक सीखने के लिए कम प्रभावी है। विस्तृत अभ्यास, स्मृति सहायक और अवधारणा मानचित्रण नई जानकारी को मौजूदा ज्ञान के साथ जोड़कर गहन प्रसंस्करण और बेहतर अवधारण को बढ़ावा देते हैं।

Q.24 अवधारणा के प्रतिनिधित्व का निम्नलिखित में से कौन सा क्रम बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमताओं के क्रमिक विकास के अनुरूप है?

A. प्रतीक-आधारित, छवि-आधारित, क्रिया-आधारित
B. क्रिया-आधारित, छवि-आधारित, प्रतीक-आधारित
C. छवि-आधारित, प्रतीक-आधारित, क्रिया-आधारित
D. प्रतीक-आधारित, क्रिया-आधारित, छवि-आधारित

Answer: B

Sol: जेरोम ब्रूनर के सिद्धांत के अनुसार, बच्चों का संज्ञानात्मक विकास आमतौर पर क्रिया-आधारित (सक्रिय प्रतिनिधित्व) से छवि-आधारित (प्रतिमात्मक प्रतिनिधित्व) से प्रतीक-आधारित (प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व) की ओर बढ़ता है।

Q.25 अभिकथन **A:** शिक्षकों को कक्षा में प्रश्न पूछने और बच्चों को निर्देश देने के बजाय प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
कारण **R:** बाल-केंद्रित शिक्षण का अर्थ है बच्चों की आवाज़ को अवसर देना और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।
सही विकल्प चुनें।

A. A और R दोनों गलत हैं।
B. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
C. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
D. A सत्य है लेकिन R गलत है।

Answer: B

Sol: A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है। बाल-केंद्रित शिक्षाशास्त्र सक्रिय भागीदारी और आलोचनात्मक सोच पर जोर देता है, जिसे निष्क्रिय निर्देश के बजाय प्रश्न पूछने और संवाद के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है।

Q.26 जागृति को पता चला है कि उसका कुत्ता, रस्टी, एक गोल्डन रिट्रीवर है। जब वह रस्टी जैसा दिखने वाला एक और कुत्ता देखती है, लेकिन एक अलग नस्ल का होता है, तो वह उसे भी कुत्ता कहती है। जीन पियागेट के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के अनुसार, यह किस अवधारणा को प्रदर्शित करता है?

A. आत्मसात
B. अहंकेंद्रितता
C. वस्तु स्थायित्व
D. संरक्षण

Answer: A

Sol: आत्मसात करना तब होता है जब बच्चा नई जानकारी को मौजूदा स्कीमा में शामिल करता है। जागृति नए कुत्ते को पहचानती है कि वह अंतरों के बावजूद "कुत्ते" की अपनी मौजूदा स्कीमा में फिट बैठता है।

Q.27 जिन बच्चों ने बहुत कम आयु से ही गंभीर (मानव) सामाजिक अभाव का अनुभव किया है, उनका विकास आमतौर पर विलंबित या बाधित होता है और पुनर्वास के बावजूद विकास के बनाए गए क्षेत्रों में सुधार गौण होने की संभावना है। यह अवधि जिसमें विकास पर्यावरणीय समर्थन से काफी प्रभावित होता है, उसे _____ कहा जाता है।

A. संवेदनशील अवधि
B. निगमनात्मक अवधि
C. सहज अवधि
D. मूल अवधि

Answer: A

Sol: संवेदनशील अवधि वह समय होता है जब बच्चा विशेष रूप से कुछ पर्यावरणीय प्रभावों के प्रति ग्रहणशील होता है, और इष्टतम विकास के लिए उपयुक्त अनुभव अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं।

Q.28 दोहरावदार और अनुष्ठानिक व्यवहार निम्नलिखित की पहचान करने वाली विशेषता है:

A. सेरेब्रल पाल्सी
B. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार
C. सीखने की अक्षमता
D. ध्यान घाटे की अति सक्रियता विकार

Answer: B

Sol: ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (ASD) में दोहरावपूर्ण और अनुष्ठानिक व्यवहार के साथ-साथ सामाजिक संचार और बातचीत में कठिनाइयां होती हैं।

Q.29 निम्नलिखित में से कौन सा सतत और व्यापक मूल्यांकन का समर्थन करेगा?

A. मानकीकृत बुद्धि परीक्षण
B. सर्वश्रेष्ठ कार्य पोर्टफोलियो
C. विकास और सीखने की प्रगति पोर्टफोलियो
D. मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण

Answer: C

Sol: विकास और सीखने की प्रगति पोर्टफोलियो समय के साथ छात्रों के विकास को ट्रैक करता है और निरंतर और व्यापक मूल्यांकन का समर्थन करता है, जो एकल प्रदर्शन माप के बजाय चल रही प्रगति को दर्शाता है।

Q.30 सामाजिक-रचनावादी सिद्धांतों के अनुसार, अधिगम की प्रक्रिया के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

A. अधिगम अर्थ निर्माण की एक सामाजिक प्रक्रिया है।
B. अधिगम एक व्यक्तिपरक प्रक्रिया है जो अलगाव में होती है।
C. अधिगम केवल कक्षा या औपचारिक शिक्षा सेटिंग में होता है।
D. अधिगम एक निष्क्रिय प्रक्रिया है जो केवल अवलोकन के माध्यम से होती है।

Answer: A

Sol: सामाजिक-रचनात्मक सिद्धांत इस बात पर जोर देते हैं कि सीखना अर्थ निर्माण की एक सामाजिक प्रक्रिया है। साथियों और शिक्षकों के साथ बातचीत से शिक्षार्थियों को सहयोगात्मक संवाद और साझा अनुभवों के माध्यम से ज्ञान का निर्माण करने में सहायता मिलती है।

Q.31 12 हजार + 13 सौ + 2 दहाई बराबर है:

A. 121320
B. 12132
C. 130132
D. 13320

Answer: D

Sol: 12000+1300+20 = 13320

Q.32 एक करोड़ है:

A. सौ मिलियन
B. दस मिलियन
C. एक मिलियन
D. एक बिलियन

Answer: B

Sol: एक करोड़ = दस मिलियन

Q.33 समझाने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा संसाधन सबसे उपयुक्त है?
I. संख्या चार्ट
II. डायनेस ब्लॉक
III. टेलर का एबेकस
IV. ग्राफ पेपर

A. A और B
B. केवल B
C. B और D
D. A और C

Answer: C

Sol: B & D
अक्षर 'L' में कोई रेखीय सममिति नहीं होती क्योंकि इसे किसी भी रेखा द्वारा दो समान हिस्सों में विभाजित नहीं किया जा सकता, चाहे वह क्षैतिज हो, लंबवत हो, या विकर्ण हो। अन्य विकल्पों के विपरीत, 'L' में उसकी विशिष्ट आकृति के कारण सममिति का अभाव होता है।

Q.34 निम्नलिखित में से किस अक्षर में कोई सममित रेखा नहीं है?

A. X
B. L
C. A
D. M

Answer: B

Sol: अक्षर 'L' में कोई रेखीय सममिति नहीं होती क्योंकि इसे किसी भी रेखा द्वारा दो समान हिस्सों में विभाजित नहीं किया जा सकता, चाहे वह क्षैतिज हो, लंबवत हो, या विकर्ण हो। अन्य विकल्पों के विपरीत, 'L' में उसकी विशिष्ट आकृति के कारण सममिति का अभाव होता है।

Q.35 एक निश्चित सप्ताह में, एक दंत चिकित्सालय में रोगियों की संख्या निम्नलिखित थी:

दिन	मरीजों की संख्या
सोमवार	25
मंगलवार	38
बुधवार	45
गुरुवार	18
शुक्रवार	36
शनिवार	39

उपरोक्त तालिका के आधार पर, गलत कथन चुनें:

A. कुल रोगियों की संख्या 200 थी।
B. डेटा की सीमा 27 है।
C. अधिकांश दिनों में, रोगियों की संख्या 30 से अधिक थी।
D. सोमवार और बुधवार को रोगियों की संख्या के बीच का अंतर 20 है।

Answer: A

Sol: कुल मरीजों की संख्या = 25+38+45+18+36+39 = 201
Range श्रेणी = 45-18 = 27

Q.36 यदि x:y=p:q, तो निम्न में से कौन सा सत्य है?
(I) x+y:y=p+q:q
(II) x-y:y=p-q:q
(III) x:p=y:q
(IV) x+y:x-y=p-q:p+q

A. I, II और III
B. I और II
C. केवल III
D. I और IV

Answer: A

Sol:
दिया गया है $x:y = p:q$
विकल्प (a) $x+y:y = p+q:q$
$\frac{x+y}{y} - \frac{p+q}{q}$
$\frac{x}{y} + 1 = \frac{p}{q} + 1$
$\frac{p}{q} + 1 = \frac{p}{q} + 1$
यह सत्य है, इसी प्रकार हम विकल्प (b) और (c) को भी सत्य मान सकते हैं।

Q.37 निम्नलिखित में से किस भारतीय गणितज्ञ को 'संख्यात्मक विश्लेषण' के संस्थापक के रूप में जाना जाता है?
I. रामानुजन
II. भास्कराचार्य
III. वराहमिहिर
IV. आर्यभट्ट
सही विकल्प चुनें।

A. I और IV
B. I और III
C. II और IV
D. II और III

Answer: B

Sol: संख्यात्मक विश्लेषण गणित की एक शाखा है जो गणितीय समस्याओं के संख्यात्मक समाधान से संबंधित है। भारतीय गणितज्ञों में, आर्यभट (IV) को संख्यात्मक विश्लेषण का संस्थापक माना जाता है, क्योंकि उनके कार्य बीजगणितीय और अंकगणितीय विधियों पर केंद्रित थे। रामानुजन (I) ने भी संख्यात्मक विश्लेषण में महत्वपूर्ण योगदान दिया, विशेष रूप से संख्या सिद्धांत और अनंत श्रृंखला में। जबकि भास्कराचार्य (II) और वराहमिहिर (III) प्रसिद्ध गणितज्ञ थे, उनके योगदान मुख्य रूप से बीजगणित और खगोल विज्ञान के क्षेत्रों में थे, क्रमशः। इसलिए, सही विकल्प (b) I और III है।

Q.38 निम्नलिखित में से कौन सा कथन संख्याओं के बारे में सत्य है?
A. सभी धनात्मक पूर्णांक पूर्ण संख्याएँ हैं।
B. सभी पूर्ण संख्याएँ पूर्णांक हैं।
C. सभी परिमेय संख्याएँ वास्तविक संख्याएँ हैं।
D. सभी अपरिमेय संख्याएँ वास्तविक संख्याएँ हैं। सही विकल्प चुनें।

A. A and D
B. Only B
C. Only C
D. B, C and D

Answer: D

Sol: पूर्ण संख्या = 0,1,2,3,4,.....
पूर्णांक संख्या = ...-3,-2,-1,0,1,2,3.....

Q.39 गणित के शिक्षण अधिगम में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) 2005 द्वारा सुझाया गया मुख्य दृष्टिकोण है:

A. रचनावाद
B. निर्देशवाद
C. व्यावहारिकता
D. व्यवहारवाद

Answer: A

Sol: रचनावाद सीखने का एक सिद्धांत है जो सुझाव देता है कि शिक्षार्थी चीजों का अनुभव करके और उन अनुभवों पर चिंतन करके दुनिया के बारे में अपनी समझ और ज्ञान का निर्माण करते हैं। यह सक्रिय सीखने पर जोर देता है जहाँ शिक्षार्थी नई समझ बनाने के लिए अपने मौजूदा ज्ञान और अनुभवों का निर्माण करते हैं।
निर्देशवाद सीखने का एक सिद्धांत है जो सीखने को शिक्षक (या निर्देशात्मक सामग्री) से शिक्षार्थी तक ज्ञान स्थानांतरित करने की प्रक्रिया के रूप में देखता है। यह प्रत्यक्ष निर्देश पर जोर देता है, जहाँ शिक्षक छात्रों को ज्ञान और कौशल प्रदान करने में केंद्रीय भूमिका निभाता है।
व्यावहारिकता एक दार्शनिक दृष्टिकोण है जो विचारों के व्यावहारिक अनुप्रयोग और अवधारणाओं, सिद्धांतों और विश्वासों की वैधता निर्धारित करने में परिणामों, परिणामों और प्रभावों के महत्व पर जोर देता है। शिक्षा में, व्यावहारिकता अनुभव और समस्या-समाधान के माध्यम से सीखने पर ध्यान केंद्रित करती है, जिसमें वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों और छात्रों के जीवन के लिए ज्ञान की प्रासंगिकता पर जोर दिया जाता है।
व्यवहारवाद सीखने का एक सिद्धांत है जो सीखने के निर्धारकों के रूप में अवलोकन योग्य व्यवहार और बाहरी उत्तेजनाओं पर जोर देता है। व्यवहारवाद के अनुसार, सीखना पर्यावरण के साथ बातचीत के माध्यम से होता है जहाँ व्यवहार सुदृढीकरण और दंड के माध्यम से वातानुकूलित होते हैं। शिक्षा में, व्यवहारवाद संरचित शिक्षण विधियों और छात्र व्यवहार और सीखने के परिणामों को आकार देने के लिए पुरस्कार और परिणामों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करता है।

Q.40 एक कक्षा में छात्र प्रतिशत छूट पर आधारित प्रश्न हल कर रहे हैं। एक प्रश्न में छात्रों को दो बाइक की लागत की गणना करने की आवश्यकता है, जिसमें प्रत्येक बाइक पर 8% की छूट है। समूहों में से एक बाइक की कुल लागत की गणना करता है और फिर कुल लागत से 16% घटाता है। इस समूह द्वारा उपयोग की जाने वाली विधि है:

A. गलत, क्योंकि उन्होंने कुल के औसत से 16% के बजाय कुल से 16% घटाया है।
B. सही है और छूट और लागत की गणना करने का एकमात्र तरीका है।
C. प्रश्न को हल करने की एक वैकल्पिक रणनीति
D. गलत, क्योंकि उन्होंने कुल से 8% के बजाय 16% छूट घटाई है।

Answer: D

Sol: गलत, क्योंकि उन्होंने कुल से 16% छूट घटा दी है बजाय 8% के। समूह की विधि गलत है क्योंकि प्रत्येक साइकिल को व्यक्तिगत रूप से 8% छूट मिलनी चाहिए, न कि कुल लागत पर संयुक्त रूप से 16% छूट। यह गलत गणना कुल लागू छूट में त्रुटि का परिणाम है।

Q.41 समीकरण पढ़ाते समय एक शिक्षिका एक रेखीय समीकरण की अवधारणा को समझाती है जिसका अद्वितीय हल होता है। वह आगे पूछती है, "यदि हल दिया गया है तो आप कितने समीकरण बना सकते हैं"?
सही विकल्प चुनें:

A. दो समीकरण
B. एक समीकरण
C. कोई समीकरण नहीं
D. कई समीकरण

Answer: D

Sol: कई समीकरण दिए गए समाधान के लिए, कई विभिन्न रेखीय समीकरण बनाए जा सकते हैं जिनका यह समाधान होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि किसी विशेष बिंदु पर समन्वय विमान पर इंटरसेक्ट करने वाले समीकरणों को बनाने के अनगिनत तरीके होते हैं।

Q.42 नीचे दिखाए अनुसार दो कॉलम दिए गए हैं:

कॉलम -I	कॉलम -II
A. एक ब्लैक-बोर्ड का चेहरा	I. दो अंत बिंदु
B. एक रेखा में	II . एक अंत बिंदु
C. एक किरण में	III. एक समतल के एक भाग को दर्शाता है।
D. एक रेखाखंड में	IV . कोई निश्चित लंबाई नहीं

कॉलम -I और II का मिलान इस प्रकार किया गया है:

A. A-I, B-III, C-IV, D-II
B. A-II, B-III, C-I, D-IV
C. A-III, B-II, C-I, D-IV
D. A-III, B-IV, C-II, D-I

Answer: D

Sol: सही मिलान हैं:
 A. ब्लैकबोर्ड का चेहरा (III. विमान का एक भाग प्रदर्शित करता है)
 B. एक रेखा में (IV. कोई निश्चित लंबाई नहीं होती है)
 C. एक किरण में (II. एक सिरे बिंदु होता है)
 D. एक रेखा खंड में (I. दो सिरे बिंदु होते हैं)

Q.43 यदि $(7 * 2) \times * (123) = 92496$, तो * का मान है:

A. 5
B. 2
C. 1
D. 4

Answer: A

Sol:
$(7x2) \times 123 = 92496$
$7x2 = 752$
$x = 5$

Q.44 सौम्या ने 13-01-1992 को नौकरी ज्वाइन की और 31-03-2023 को उन्होंने सेवानिवृत्ति ले ली। उनकी सेवा की अवधि थी:

A. 31 वर्ष 2 महीने और 18 दिन
B. 30 वर्ष 10 महीने और 19 दिन
C. 30 वर्ष 9 महीने और 18 दिन
D. 31 वर्ष 2 महीने और 19 दिन

Answer: A

Sol: 2023-03-31
- 1992-01-13
31-02-18
31 years 2 months and 18 days

Q.45 गणित की कक्षा में छात्रों के व्यक्तिगत अंतर की पहचान करने के लिए, निम्नलिखित में से कौन सी मूल्यांकन तकनीक उपयुक्त नहीं होगी?

A. सहकर्मी मूल्यांकन
B. योगात्मक मूल्यांकन

C. गठन मूल्यांकन
D. निदानात्मक मूल्यांकन

Answer: B

Sol: योगात्मक मूल्यांकन एक प्रकार का मूल्यांकन है जो किसी निर्देशात्मक इकाई के अंत में छात्र के सीखने का मूल्यांकन किसी मानक या बेंचमार्क से तुलना करके करता है। इसका उपयोग आम तौर पर यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि छात्रों ने विशिष्ट शिक्षण लक्ष्यों या उद्देश्यों में महारत हासिल की है या नहीं।
सहकर्मी मूल्यांकन मूल्यांकन का एक रूप है जहाँ छात्र अपने साथियों के प्रदर्शन या काम का मूल्यांकन करते हैं। इसमें छात्रों द्वारा फीडबैक प्रदान करना, एक-दूसरे के काम का मूल्यांकन करना और अक्सर स्थापित मानदंडों के आधार पर ग्रेड या स्कोर प्रदान करना शामिल है।
रचनात्मक मूल्यांकन सीखने की प्रक्रिया के दौरान किए गए मूल्यांकन को संदर्भित करता है ताकि फीडबैक प्रदान किया जा सके जिसका उपयोग प्रशिक्षकों और छात्रों द्वारा सीखने को बेहतर बनाने के लिए किया जा सके। यह अक्सर अनौपचारिक और निरंतर होता है, जो शिक्षण और सीखने की गतिविधियों को संशोधित करने के लिए छात्रों की ताकत और कमजोरियों की पहचान करने पर केंद्रित होता है।
निदानात्मक मूल्यांकन: यह छात्रों के मौजूदा ज्ञान, कौशल और किसी विषय की समझ का आकलन करने के लिए निर्देश की शुरुआत में किया जाने वाला एक विशिष्ट प्रकार का रचनात्मक मूल्यांकन है। यह शिक्षकों को निर्देश की योजना बनाने और छात्रों की ज़रूरतों के आधार पर सीखने के अनुभवों को अलग करने में सहायता करता है।

Q.46 ग्रेड-II के शिक्षार्थियों के लिए बुनियादी संचालन में गणना के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
A. इसमें बच्चे की अनौपचारिक रणनीति विकसित करने की क्षमता शामिल है।
B. इसमें बच्चे की अनुमान लगाने की क्षमता शामिल है।
C. इसमें बच्चे की बड़ी संख्याओं के साथ गणना करने की क्षमता शामिल है।
सही विकल्प चुनें:

A. A और B
B. केवल C
C. B और C
D. A और C

Answer: A

Sol: कक्षा-II के शिक्षार्थियों के लिए, बुनियादी संक्रियाओं में गणना अनौपचारिक रणनीतियों और अनुमान लगाने पर केंद्रित होती है, न कि बड़े संख्याओं को संभालने पर। इस स्तर पर, बच्चों को व्यावहारिक और संबंधित तरीकों से अवधारणाओं को समझने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, बजाय बड़े संख्याओं के साथ जटिल अंकगणित के।

Q.47 गणित की कक्षा में एक शिक्षक विभिन्न कोणों की अवधारणा को समझाता है। उसे एहसास हुआ कि कैंची _____ को समझाने के लिए सबसे अच्छा उदाहरण है।
A. ऊर्ध्वाधर विपरीत कोण
B. कोणों का रैखिक युग्म
C. संगत कोण
D. वैकल्पिक कोण
सही विकल्प चुनें:

A. B और C
B. A और B
C. A और C
D. C और D

Answer: B

Sol: A & B
कैंची का उपयोग ऊर्ध्वाधर विपरीत कोण और रेखीय कोण युग्म को समझाने के लिए एक व्यावहारिक उदाहरण है। जब कैंची के ब्लेड खुले होते हैं, तो वे दो जोड़े ऊर्ध्वाधर विपरीत कोण और एक रेखीय कोण युग्म बनाते हैं, जो इन अवधारणाओं के लिए एक उपयोगी दृश्य सहायक बनाता है।

Q.48 1233210÷5555-222 किसके बराबर है:

A. 3
B. 1
C. 0
D. 2

Answer: C

Sol: 1233210/5555-222
222-222 = 0

Q.49 घटते क्रम में भिन्नों $\frac{1}{9}, \frac{1}{21}, \frac{3}{7}, \frac{12}{63}$ की व्यवस्था किस प्रकार है:

A. $\frac{1}{9}, \frac{12}{63}, \frac{3}{7}, \frac{1}{9}$
B. $\frac{3}{7}, \frac{1}{9}, \frac{12}{63}, \frac{1}{21}$
C. $\frac{3}{7}, \frac{12}{63}, \frac{1}{9}, \frac{1}{21}$
D. $\frac{12}{63}, \frac{3}{7}, \frac{1}{21}, \frac{1}{9}$

Answer: C

Sol: 3/7 = 0.4285
12/63 = 0.1904
1/9 = 0.1111
1/21 = 0.0476

Q.50 एक अंडे का द्रव्यमान लगभग 65 ग्राम होता है, तो 2 दर्जन अंडों का द्रव्यमान क्या होगा?

A. 1 kg 544g
B. 1.56g
C. 1kg 56g
D. 1.304kg

Answer: B

Sol: एक अंडा ----------65 ग्राम
2 दर्जन = 24 अंडे----------24 x 65 = 1560 ग्राम = 1.56 किग्रा

Q.51 निम्नलिखित में से कौन गणित प्रयोगशाला की विशेषताओं को दर्शाता है?
A. यह अनौपचारिक अन्वेषण के माध्यम से गणित का आनंद लेने का स्थान है।
B. यह प्रयोगों के माध्यम से गणितीय प्रमेयों को सिद्ध करने के अवसर प्रदान करता है।
C. यह अनुमान लगाने, उनका परीक्षण करने और देखे गए पैटर्न को सामान्य बनाने के अवसर प्रदान करता है।
D. इसका उपयोग छात्रों के गणित के ज्ञान का आकलन करने और तदनुसार उन्हें ग्रेड देने के लिए किया जाता है।
सही विकल्प चुनें।

A. B और C
B. A और D
C. A और C
D. B और D

Answer: C

Sol: A & C
गणित प्रयोगशाला एक ऐसा स्थान है जहाँ छात्र अनौपचारिक और आनंददायक तरीके से गणितीय अवधारणाओं का अन्वेषण कर सकते हैं। यह छात्रों को परिकल्पनाएँ बनाने, उनका परीक्षण करने और देखे गए पैटर्न को सामान्यीकृत करने के अवसर प्रदान करता है, जिससे हाथों-हाथ गतिविधियों और प्रयोगों के माध्यम से गणितीय सिद्धांतों की गहरी समझ विकसित होती है।

Q.52 फाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFFS), 2022 ने अमूर्त गणितीय अवधारणा को पढ़ाते समय निम्नलिखित घटकों के महत्व पर प्रकाश डाला:
A. लिखित प्रतीक
B. अनुभव
C. बोली जाने वाली भाषा
D. चित्र
निम्न में से कौन सा अमूर्त गणितीय अवधारणा को पढ़ाते समय इन घटकों का उपयुक्त क्रम है?

A. B → C → D → A
B. C → A → D → B
C. B → C → A → D
D. C → D → A → B

Answer: A

Sol: राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFFS), 2022 के अनुसार, किसी अमूर्त गणितीय अवधारणा को सिखाने का उचित क्रम अनुभव (बी) से शुरू करना है, इसके बाद बोलचाल की भाषा (सी) का उपयोग करके अवधारणा पर चर्चा और उसे स्पष्ट करना। फिर, चित्रों (डी) का उपयोग करके उसे दृश्य रूप देना, और अंत में, लिखित प्रतीकों (ए) को प्रस्तुत करके समझ को औपचारिक बनाना।

Q.53 राजू के पास 20 लीटर के 5 कंटेनर में तारपीन का तेल है। वह उन्हें 5 लीटर के 10 डिब्बों, 2 लीटर के 10 डिब्बों और अन्य को 1 लीटर के डिब्बों में भरता है। भरे गए 1 लीटर के डिब्बों की संख्या है:

A. 27
B. 25
C. 30
D. 22

Answer: C

Sol: 5 कंटेनरों में भरा गया कुल तारपीन का तेल = 5 x 20 = 100
5 लीटर के 10 डिब्बों में भरा गया = 50
2 लीटर के 10 डिब्बों में भरा गया = 20
1 लीटर के भरे गए डिब्बे की संख्या = 100-(50+20) = 100-70 = 30

Q.54 बच्चों के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सीखने का अनुभव रोजमर्रा की जिंदगी और समाज में गणित के योगदान को नहीं दर्शाता है?

A. छोटे समूह के खेल खेलें जो गणितीय कौशल और अवधारणाओं पर आधारित हों।
B. औपचारिक और अनौपचारिक दोनों भाषाओं का उपयोग करके लिखित रूप में गणितीय विचारों का संचार।
C. रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मिलना और यह पता लगाना कि वे अपने काम में गणित का उपयोग कैसे करते हैं।
D. दिन-प्रतिदिन के जीवन में डेटा एकत्र करना, व्यवस्थित करना, प्रस्तुत करना और व्याख्या करना।

Answer: B

Sol: गणितीय विचारों को संप्रेषित करना, दैनिक जीवन और समाज में गणित के व्यावहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित नहीं करता है। अन्य विकल्पों में खेलों, वास्तविक जीवन के रोजगार परिदृश्यों और डेटा हैंडलिंग के माध्यम से गणितीय अवधारणाओं के साथ प्रत्यक्ष संपर्क शामिल है, जो सभी गणित की दैनिक गतिविधियों और सामाजिक कार्यों में प्रासंगिकता को दर्शाते हैं।

Q.55 22 hm 8 dam किसके बराबर है:

A. 22080m
B. 22800m
C. 2208m
D. 2280m

Answer: D

Sol: I hm = 100 m और 1 dam = 10 m
22hm 8 dam = 2200+80 = 2280 m

Q.56 एक गणित शिक्षक कक्षा में खुले और बंद वक्र की अवधारणा पर चर्चा कर रहा है। छात्रों की बेहतर समझ के लिए उसने चार बिंदुओं का एक उदाहरण दिया। यदि वक्र खुला है तो चार बिंदुओं की प्रकृति है:

A. उनमें से तीन असंरेखीय होने चाहिए।
B. सभी संरेखीय हैं।
C. उनमें से दो संरेखीय होने चाहिए।
D. उनमें से तीन संरेखीय होने चाहिए।

Answer: B

Sol: यदि सभी चार बिंदु सह-रेखीय हैं, तो वे एक ही सीधी रेखा पर स्थित होते हैं, जो एक खुली वक्र का प्रतिनिधित्व करती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक रेखा दोनों दिशाओं में अनंत तक फैली होती है और एक बंद आकृति नहीं बनाती है, इस प्रकार यह खुली रहती है।

Q.57 एक त्रिभुज के दो कोण 50° और 30° हैं। तो त्रिभुज का तीसरा कोण क्या होगा?

A. 80°
B. 100°

C. 40°
D. 60°

Answer: B

Sol:

दिए गए दो कोण $50°$ और $30°$ हैं।
माना तीसरा कोण $= x°$
तीनों कोणों का योग $= 180°$
$50° + 30° + x = 180°$
$80° + x = 180°$
$x = 180° - 80° = 100°$

Q.58 निम्नलिखित में से कौन सा कथन "गणित उन स्तरों में पदानुक्रमित है जो तार्किक रूप से संरचित हैं" के सही उदाहरण हैं।
A. संख्याओं के गुणन और भाग की अवधारणा से पहले पूर्णांकों की अवधारणा को विकसित करने की आवश्यकता है।
B. गुणन जोड़ की अवधारणा का अनुसरण करता है और उस पर आधारित होता है।
C. जोड़ और घटाव की अवधारणाओं से पहले संख्या बोध को विकसित करने की आवश्यकता है।
सही विकल्प चुनें।

A. केवल B
B. A और B
C. B और C
D. A और C

Answer: C

Sol: गणित संरचनात्मक रूप से पदानुक्रमित है, जिसका अर्थ है कि अधिक जटिल विचारों को समझने से पहले बुनियादी अवधारणाओं को समझना आवश्यक है। गुणा, जोड़ पर आधारित होता है, क्योंकि इसमें बार-बार जोड़ना शामिल होता है। इसी प्रकार, संख्या ज्ञान जोड़ और घटाव को समझने और करने के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें संख्याओं को पहचानना, उनके मान और उनके संबंधों को समझना शामिल है।

Q.59 अंक **5, 1, 0, 3, 9** और **6** का उपयोग करके बनाई गई सबसे बड़ी और सबसे छोटी **6**-अंकीय संख्याओं के बीच का अंतर है:

A. 851731
B. 861741
C. 862731
D. 951741

Answer: B

Sol: 6 अंकों की सबसे बड़ी संख्या = 965310
और सबसे छोटी संख्या = 103569
अंतर = 965310-103569 = 861741

Q.60 निम्नलिखित में लुप्त संख्या (?) क्या है?
43, 47, 53, 59, ? , 67, 71, 73 is:

A. 65
B. 61
C. 60
D. 63

Answer: B

Sol: सभी अभाज्य संख्याएं हैं इसलिए अगली संख्या 61 है।

Q.61 निम्नलिखित कथनों **A** और **B** पर विचार करें।
कथन **A:** कौवे पेड़ की बहुत निचली शाखाओं पर घोंसला बनाते हैं।
कथन **B:** बुनकर पक्षी अपना घोंसला बनाने के लिए दो पत्तियों को सिलता है।
निम्नलिखित में से सही कोड चुनें:

A. A गलत है लेकिन B सही है।
B. A और B दोनों सही हैं।
C. A और B दोनों गलत हैं।
D. A सही है लेकिन B गलत है।

Answer: C

Sol: कथन A और B दोनों गलत हैं। कौवे आम तौर पर पेड़ों की ऊँची शाखाओं पर अपना घोंसला बनाते हैं, न कि बहुत नीची शाखाओं पर। यह स्थिति उनके घोंसलों को शिकारियों से बचाने में मदद करती है और उन्हें एक अच्छा दृश्य प्रदान करती है। दूसरी ओर, बुनकर पक्षी अपना घोंसला बनाने के लिए दो पत्तियों को आपस में नहीं जोड़ता। बुनकर पक्षी अपने जटिल घोंसलों के लिए जाने जाते हैं, जिन्हें वे घास, टहनियों और अन्य पौधों की सामग्री से बुनते हैं। ये घोंसले अक्सर जटिल संरचनाएँ होती हैं जो शाखाओं से लटकती हैं, जो ज़मीन पर शिकारियों से सुरक्षा प्रदान करती हैं।

Q.62 प्राथमिक स्तर पर **EVS** को एकीकृत दृष्टिकोण से संचालित करने की सिफारिश की जाती है। इसके सबसे उपयुक्त कारण हैं:
A. EVS विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा जैसे विषयों से मुद्दे उठाता है
B. यह समग्र समझ विकसित करने में मदद करता है।
C. यह छात्रों और शिक्षकों के बोझ को कम करने में मदद करता है।
D. एकीकृत **EVS** पढ़ाना सुविधाजनक है।

A. A और D
B. C और D
C. B और C
D. A और B

Answer: D

Sol: पर्यावरण अध्ययन (EVS) में एकीकृत दृष्टिकोण की सिफारिश की जाती है क्योंकि यह विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा (A) जैसे कई विषयों से मुद्दों को खींचता है, और एक समग्र समझ (B) विकसित करने में सहायता करता है। ये पहलू सुनिश्चित करते हैं कि छात्रों को एक व्यापक शिक्षा मिले जो आपस में जुड़ी हुई हो, जिससे सही उत्तर (D) A और B बनते हैं।

Q.63 निम्नलिखित में से हाथी के बारे में सुना गया गलत कथन चुनें:

A. 15 वर्ष से अधिक आयु के नर हाथी झुंड को छोड़कर अकेले घूमते हैं।
B. मादा हाथी झुंड में रहती हैं।
C. एक झुंड में 20 से 25 मादा हाथी और उनके बच्चे होते हैं।
D. नर हाथी 14-15 वर्ष की आयु तक झुंड में रहते हैं।

Answer: C

Sol: सही उत्तर है (c) एक झुंड में 20 से 25 मादा हाथी और उनके बच्चे होते हैं।
हाथियों के झुंड में मुख्य रूप से मादा और बच्चे हाथी होते हैं। सबसे बूढ़ी मादा हाथी झुंड की नेता होती है। एक झुंड में 10 से 12 मादा हाथी और बच्चे हो सकते हैं। नर हाथी 14-15 वर्ष की आयु तक झुंड में रहते हैं। फिर वे अपने झुंड को छोड़कर अकेले घूमने लगते हैं। नंदू भी इतना बूढ़ा होने पर अपना झुंड छोड़ देता है।

Q.64 आप **X** पर स्थित हैं और आपका स्कूल **Y** पर स्थित है। आपके घर से आपके स्कूल तक कोई सीधा रास्ता नहीं है। इसलिए आप सबसे पहले **A** पर जाएँ जो **X** से लगभग **125** मीटर उत्तर में है, फिर **B** पर जाएँ जो **A** से **75** मीटर पश्चिम में है, फिर **C** पर जाएँ जो **B** से लगभग **150** मीटर उत्तर में है और अंत में **Y** पर अपने स्कूल पहुँचें जो **C** से **75** मीटर पूर्व में है। **Y** पर आपके स्कूल के संबंध में, **X** पर घरों की सही दिशा है:

A. दक्षिण पूर्व
B. उत्तर की ओर
C. दक्षिण की ओर
D. उत्तर पश्चिम

Answer: C

Sol: दक्षिण की ओर

Q.65 पौधों की एक प्रजाति '**X**' है जो बहुत बड़ी संख्या में उगती है लेकिन पूरी दुनिया में केवल भारत के '**Y**' भाग में पाई जाती है। यह किस प्रकार की प्रजाति है?

A. लुप्तप्राय
B. प्रचुर
C. विदेशी
D. स्थानिक

Answer: D

Sol: एक प्रजाति जो बड़ी संख्या में पाई जाती है लेकिन एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र तक ही सीमित होती है, उसे स्थानिक प्रजाति के रूप में जाना जाता है। इसलिए, सही उत्तर (d) स्थानिक है।

Q.66 निम्नलिखित में से केवल मिश्रधातुओं वाले समूह का चयन करें:

A. स्टील, पीतल, कांस्य
B. पीतल, कांस्य, लिथियम
C. मैग्नीशियम, एल्युमीनियम, स्टील
D. स्टील, पीतल, टिन

Answer: A

Sol: स्टील लोहा और कार्बन का मिश्र धातु है, पीतल तांबा और जस्ता का मिश्र धातु है, और कांस्य तांबा और टिन का मिश्र धातु है। इसलिए, केवल मिश्र धातुओं से युक्त समूह (a) स्टील, पीतल, कांस्य है।

Q.67 एक ईवीएस शिक्षक अपने छात्रों से कल्पना करने और उत्तर देने के लिए कहता है, "क्या होता अगर पृथ्वी से सभी पक्षी एक साथ मारे जाते?" ऐसा प्रश्न है:

A. दार्शनिक प्रश्न
B. अभिसारी प्रश्न
C. काल्पनिक प्रश्न
D. अपसारी प्रश्न

Answer: D

Sol: ईवीएस शिक्षक द्वारा पूछा गया प्रश्न, "यदि पृथ्वी से सभी पक्षी एक साथ मारे जाते तो क्या होता?" एक भिन्न प्रश्न है। भिन्न प्रश्न संभावित उत्तरों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रोत्साहित करने और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। वे अक्सर विभिन्न विचारों और परिदृश्यों की चर्चा और अन्वेषण की ओर ले जाते हैं। इस प्रकार के प्रश्न का एक भी सही उत्तर नहीं होता है, बल्कि यह छात्रों को आलोचनात्मक रूप से सोचने और कई दृष्टिकोणों और संभावित परिणामों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

Q.68 आज भारत में शाम के **7.30** बजे हैं। उसी दिन दोपहर के **2** बजे हैं:

A. कराची में
B. लंदन में
C. जापान में
D. ढाका में

Answer: B

Sol: भारत लंदन से 4.5 घंटे आगे है (मानक समय के दौरान, डेलाइट सेविंग टाइम समायोजन पर विचार नहीं करते हुए)। इसलिए, जब भारत में शाम के 7:30 बजे होते हैं, तो लंदन में दोपहर 3:00 बजे होंगे। हालाँकि, चूँकि दिया गया निकटतम समय दोपहर 2:00 बजे है, इसलिए यह निहित है कि इसमें थोड़ी विसंगति है। विसंगतियों के बिना सही समय क्षेत्रों में, लंदन सबसे अच्छा मेल खाता है। इसलिए, सही उत्तर लंदन में (b) है।

Q.69 निम्नलिखित में से कौन सी रणनीति 'यात्रा' विषय पढ़ाते समय जिज्ञासा को बढ़ावा देती है?

A. आस-पास के क्षेत्रों में विभिन्न दर्शनीय स्थलों की तस्वीरें दिखाना।
B. छात्रों से परिवहन के विभिन्न साधनों की तस्वीरें एकत्र करने के लिए कहना।
C. छात्रों से अपने या अपने पड़ोसियों के यात्रा के अनुभव बताने के लिए कहना।
D. छात्रों से पुरानी कारों पर डिजिटल प्रस्तुति बनाने के लिए कहना।

Answer: C

Sol: जांच को बढ़ावा देने में छात्रों को प्रश्न पूछने, खोज करने और विषयों की जांच करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। छात्रों से उनके या उनके पड़ोसियों के यात्रा के अनुभवों को बताने के लिए कहना, उन्हें व्यक्तिगत और देखे गए अनुभवों का पता लगाने, उन अनुभवों के बारे में प्रश्न पूछने और अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए प्रेरित करके जांच को बढ़ावा देता है। इसलिए, सही उत्तर (c) है छात्रों से उनके या उनके पड़ोसियों के यात्रा के अनुभवों को बताने के लिए कहना।

Q.70 एक शिक्षक ईवीएस पढ़ाते समय निम्नलिखित तरीकों का पालन करता है: थिंक-पेयर-शेयर, पारस्परिक सहकर्मी ट्यूटरिंग, जिगसॉ रणनीति और सहकर्मी समीक्षा। ये इसके उदाहरण हैं:

A. आगमनात्मक दृष्टिकोण

B. सहकर्मी समूह दृष्टिकोण
C. रचनात्मक दृष्टिकोण
D. (b) & (c)

Answer: D

Sol: कथन (b) और (c) सही हैं क्योंकि उल्लिखित विधियाँ मुख्य रूप से छात्रों के बीच सहयोगात्मक शिक्षण और ज्ञान निर्माण को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। थिंक-पेयर-शेयर रणनीति छात्रों को किसी विषय पर व्यक्तिगत रूप से सोचने, अपने विचारों पर चर्चा करने के लिए जोड़े बनाने और फिर बड़े समूह के साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा मिलता है। पारस्परिक सहकर्मी ट्यूटरिंग छात्रों को एक-दूसरे को पढ़ाने में बारी-बारी से भाग लेने की अनुमति देता है, जिससे शिक्षण के माध्यम से उनकी समझ मजबूत होती है। जिगसॉ रणनीति एक विषय के विभिन्न खंडों को अलग-अलग समूहों को सौंपकर सहयोग को बढ़ावा देती है, जिससे पूरे विषय को एक साथ समझने के लिए छात्रों के बीच अन्योन्याश्रितता की आवश्यकता होती है। अंत में, सहकर्मी समीक्षा में छात्रों को एक-दूसरे के काम पर प्रतिक्रिया देना, आलोचनात्मक सोच और सहयोगी कौशल को बढ़ाना शामिल है।

Q.71 सलीम और राजू युवा स्कूल जाने वाले हैं। सलीम को बहुत सारा तला हुआ खाना और मैदा खाना पसंद है। दूसरी ओर राजू घर का बना स्वस्थ भोजन खाता है, लेकिन वह कभी पालक और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियाँ नहीं खाता। निम्नलिखित में से कौन-सा विकार उन्हें क्रमशः होने की संभावना है?

A. पेलाग्रा और एनीमिया
B. स्कर्वी और एनीमिया
C. क्वाशिओरकर और एनीमिया
D. मोटापा और एनीमिया

Answer: D

Sol: सलीम के आहार में बहुत सारा तला हुआ भोजन और मैदा (परिष्कृत आटा) उत्पाद शामिल हैं, जो उसे उच्च कैलोरी सेवन और कम पोषण मूल्य के कारण मोटापे के जोखिम में डालता है। राजू, आम तौर पर स्वस्थ भोजन खाने के बावजूद, पालक और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों से परहेज करता है, जो आयरन से भरपूर होती हैं; इस आहार की आदत से आयरन की कमी के कारण एनीमिया हो सकता है। इसलिए, सही उत्तर (d) मोटापा और एनीमिया है।

Q.72 EVS कक्षाओं में मानचित्र पढ़ने की गतिविधि प्राथमिक छात्रों में कुछ योग्यताएँ और कौशल विकसित करती है। वे हैं:
A. स्थानों की सापेक्ष स्थिति को समझना
B. स्थानों की दिशाओं को समझना
C. प्रतीकों और पैमाने को समझना
D. पैमाने के नक्शे के अनुसार सटीक रूप से चित्र बनाना

A. B और C
B. A, B और C
C. B, C और D
D. A, C और D

Answer: B

Sol: मानचित्र पढ़ने की गतिविधियाँ छात्रों को स्थानों की सापेक्ष स्थिति (A), स्थानों की दिशाएँ (B), और मानचित्रों में प्रयुक्त प्रतीकों और पैमाने (C) को समझने में सहायता करती हैं। पैमाने के मानचित्रों (D) के अनुसार सटीक रूप से चित्र बनाना अधिक उन्नत है और आमतौर पर प्राथमिक स्तर पर इसकी अपेक्षा नहीं की जाती है। इसलिए, सही उत्तर (b) A, B और C है।

Q.73 तेलंगाना के संदर्भ में गुजरात और बिहार के संबंधित स्थान किस प्रकार हैं:

A. उत्तर पश्चिम; उत्तर पूर्व
B. उत्तर पश्चिम; दक्षिण पूर्व
C. दक्षिण पश्चिम; उत्तर पूर्व
D. उत्तर पूर्व; उत्तर पश्चिम

Answer: A

Sol: गुजरात तेलंगाना के उत्तर-पश्चिम में स्थित है, और बिहार तेलंगाना के उत्तर-पूर्व में स्थित है। इसलिए, सही उत्तर है (a) उत्तर-पश्चिम; उत्तर-पूर्व

Q.74 प्राथमिक स्तर पर EVS पढ़ाने में निम्नलिखित में से कौन सी अनुभवात्मक रणनीति सबसे अच्छी तरह से दर्शाती है?
A. चर्चा
B. प्रदर्शन
C. क्षेत्र यात्राएं
D. कला एकीकृत शिक्षा

A. A, B और C
B. A, B और D
C. B, C और D
D. A, C और D

Answer: D

Sol: सही उत्तर है (d)। अनुभवात्मक रणनीतियों में अनुभवों और गतिविधियों के माध्यम से सीखना शामिल है। चर्चा (A), फील्ड ट्रिप (C), और कला-एकीकृत शिक्षा (D) व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं जो अनुभवात्मक सीखने के लिए आवश्यक हैं। चर्चा (A), उपयोगी होते हुए भी, अनुभवात्मक से अधिक चिंतनशील है। इसलिए, सही उत्तर है (d) A, C और D।

Q.75 ईवीएस में पर्यावरण का अर्थ है:
A. मानव निर्मित पर्यावरण
B. प्राकृतिक पर्यावरण
C. सामाजिक पर्यावरण
D. सांस्कृतिक पर्यावरण

A. A, B, C और D
B. A और B
C. B और C
D. A और C

Answer: A

Sol: EVS के संदर्भ में पर्यावरण में हमारे आस-पास के सभी पहलू शामिल हैं: मानव निर्मित पर्यावरण (A), प्राकृतिक पर्यावरण (B), सामाजिक पर्यावरण (C), और सांस्कृतिक पर्यावरण (D)। इसलिए, सही उत्तर (a) A, B, C और D है।

Q.76 नीचे दिए गए अभिकथन **A** और कारण **R** को पढ़ें और सही विकल्प चुनें।
अभिकथन **A:** अल-बिरूनी और इब्न बतूता जैसे यात्री भारत से विभिन्न देशों की यात्रा करते थे।
कारण **R:** यात्रा करने से लोगों के बीच विचारों का आदान-प्रदान होता है।

A. A गलत है लेकिन R सही है।
B. A और R दोनों सही हैं और R, A की व्याख्या करता है।
C. A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की व्याख्या नहीं करता है।
D. A सही है लेकिन R गलत है।

Answer: A

Sol: सही विकल्प (a) है A गलत है लेकिन R सही है। कथन (A) में कहा गया है कि अल-बिरूनी और इब्न बतूता जैसे यात्री भारत से विभिन्न देशों की यात्रा करते थे, जो गलत है। अल-बिरूनी और इब्न बतूता दोनों अलग-अलग देशों से भारत आए थे; अल-बिरूनी उज्बेकिस्तान से और इब्न बतूता मोरक्को से। हालाँकि, कारण (R) यह बताता है कि यात्रा करने से लोगों के बीच विचारों का आदान-प्रदान होता है, यह सत्य है। अल-बिरूनी और इब्न बतूता जैसे यात्रियों ने अपनी यात्राओं और बातचीत का दस्तावेजीकरण किया, जिसने सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और भौगोलिक ज्ञान के आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Q.77 कथन I: EVS पाठ्यक्रम सीखने के सामाजिक रचनावादी परिप्रेक्ष्य के भीतर तैयार किया गया है
कथन II: बच्चों के गहन अध्ययन के साथ बच्चों के सीखने के बारे में पियाजे के विचार सामाजिक रचनावादी परिप्रेक्ष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं।

A. कथन I गलत है लेकिन कथन II सत्य है।
B. कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
C. कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
D. कथन I सत्य है लेकिन कथन II गलत है।

Answer: D

Sol: EVS पाठ्यक्रम को सामाजिक रचनावादी दृष्टिकोण के भीतर तैयार किया गया है, जो बातचीत और अनुभवों के माध्यम से सीखने पर जोर देता है। हालाँकि, पियाजे के विचार सामाजिक रचनावाद के बजाय संज्ञानात्मक रचनावाद का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो वायगोत्स्की के सिद्धांतों से अधिक जुड़ा हुआ है। इसलिए, सही उत्तर है (d) कथन I सत्य है लेकिन कथन II गलत है।

Q.78 कक्षा 5 की NCERT की पाठ्यपुस्तक में झारखंड में रहने वाली सूर्यमणि की एक वास्तविक कहानी है। अध्याय में आदिवासी जीवन और सूर्यमणि की भूमिका को दर्शाया गया है। छात्रों के लिए प्रासंगिक अध्याय द्वारा संबोधित सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं का चयन करें।
A. आदिवासी समुदायों के बारे में लोकप्रिय धारणाएँ और पूर्वाग्रह
B. वनवासियों (समुदायों) और जंगलों के बीच घनिष्ठ संबंध
C. लड़कियों की शिक्षा कैसे उनके जीवन को बदलती है।
D. जनजातियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले वन उत्पाद

A. B और C
B. A, B और C
C. B, C और D
D. A, C और D

Answer: C

Sol: अध्याय में कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई है, जिसमें वनवासियों और वनों के बीच घनिष्ठ संबंध (B), और लड़कियों की शिक्षा का उनके जीवन पर प्रभाव (C), जनजातियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले वन उत्पाद (D) शामिल हैं। इसलिए, सही उत्तर (c) B, C और D है।

Q.79 "पहले दिन से लेकर 10वें दिन तक बीज कैसे अंकुरित होकर पौधे बनते हैं, इसे रिकॉर्ड करें।" रीता ने 'अंकुरण' पर पाठ पढ़ाने से पहले अपने छात्रों को यह कार्य दिया। वह अपने छात्रों की इस क्षमता का आकलन करने की कोशिश कर रही है:
A. चित्र बनाना और दर्शाना
B. भविष्यवाणी करना कि अंकुरित बीज कैसे दिखेंगे
C. निरीक्षण करना और रिकॉर्ड करना
D. दी गई गतिविधि से अनुमान लगाना

A. A, B and C
B. A and b
C. B and C
D. B, C and D

Answer: D

Sol: सही विकल्प (d) B, C और D है। जब रीता अपने छात्रों से यह रिकॉर्ड करने के लिए कहती है कि बीज 1 दिन से 10 दिन तक कैसे अंकुरित होते हैं, तो वह कई क्षमताओं का आकलन कर रही होती है:
• B. भविष्यवाणी करें कि अंकुरित बीज कैसे दिखेंगे: छात्रों को बीजों के परिवर्तनों और विकास चरणों का अनुमान लगाने की आवश्यकता है।
• C. निरीक्षण करें और रिकॉर्ड करें: छात्रों को बीजों में दैनिक परिवर्तनों का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करना चाहिए और अपने अवलोकनों को सटीक रूप से दर्ज करना चाहिए।
• D. दी गई गतिविधि से अनुमान लगाएं: छात्रों को 10 दिनों में अपने रिकॉर्ड किए गए अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकालने और अनुमान लगाने में सक्षम होना चाहिए।
यह गतिविधि छात्रों को पूर्वानुमान, अवलोकन, डेटा रिकॉर्ड करने और अनुमान लगाने में कौशल विकसित करने में सहायता करती है, जो वैज्ञानिक जांच और अंकुरण की प्रक्रिया को समझने में महत्वपूर्ण हैं।

Q.80 पर्वतारोहियों को अधिक ऊंचाई पर नाक से खून बहने की समस्या होती है, क्योंकि:

A. अधिक ऊंचाई पर रक्त गाढ़ा हो जाता है।
B. रक्त वाहिकाओं में दबाव बाहरी दबाव से अधिक हो जाता है।
C. रक्त वाहिकाओं में दबाव बाहरी दबाव से कम हो जाता है।
D. रक्त वाहिकाओं में दबाव बाहरी दबाव के बराबर होता है।

Answer: B

Sol: अधिक ऊंचाई पर, बाहरी वायुमंडलीय दबाव समुद्र तल की तुलना में काफी कम होता है। इससे रक्त वाहिकाओं के अंदर का दबाव बाहरी दबाव से अधिक हो जाता है, जिससे नाक से खून बहने लगता है क्योंकि नाक में मौजूद नाजुक रक्त वाहिकाएँ बढ़े हुए आंतरिक दबाव के कारण फट जाती हैं। इसलिए, सही उत्तर है (b) रक्त वाहिकाओं में दबाव बाहरी दबाव से अधिक होता है।

Q.81 निम्नलिखित में से कौन सा/से पर्वत ज्वालामुखी मूल का माना जाता है?
A. माउंट किलिमंजारो
B. फुजियामा
C. आल्प्स
सही विकल्प चुनें:

A. A और B
B. A और C
C. B और C
D. केवल C

Answer: A

Sol: तंजानिया में माउंट किलिमंजारो और जापान में फुजियामा (माउंट फूजी) दोनों ही ज्वालामुखी मूल के हैं। हालाँकि, आल्प्स अफ्रीकी और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव से बने फ़ोल्ड पर्वतों की एक श्रृंखला है। इसलिए, सही उत्तर (a), A और B है।

Q.82 रोशनी, एक EVS शिक्षिका, सरसों, चना, चना और मिर्च के 20 बीजों में से कितने बीज अंकुरित हुए, इसका डेटा चार्ट दिखाती है। वह छात्रों से यह समझाने के लिए कहती है कि विभिन्न बीजों की अंकुरण दर में भिन्नता क्यों होती है। वह निम्नलिखित कौशल का आकलन करना चाहती है:

A. जांच
B. प्रयोग
C. भविष्यवाणी

D. निष्कर्ष निकालना

Answer: C

Sol: रोशनी छात्रों से अंकुरण दरों में भिन्नताओं को समझाने के लिए कह रही है, जिसमें डेटा का विश्लेषण करना और उनके अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकालना शामिल है। इस कौशल को पूर्वानुमान के रूप में सबसे अच्छा वर्णित किया जाता है। इसलिए, सही उत्तर (सी) पूर्वानुमान है।

Q.83 अभिकथन: कहानियों और आख्यानों का उपयोग EVS पाठ्यपुस्तकों में किया गया है।
कारण: उद्देश्य बच्चे को संवेदनशील बनाना है क्योंकि वह कहानी या आख्यान में पात्रों के साथ सहानुभूति रख सकता है। पाठ्यपुस्तकों को बच्चे को हमारे समाज में मौजूद व्यापक अंतरों के प्रति संवेदनशील बनाना चाहिए।

A. अभिकथन गलत है लेकिन कारण सत्य है।
B. अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।
C. अभिकथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।
D. अभिकथन सत्य है लेकिन कारण असत्य है।

Answer: B

Sol: कथन और कारण दोनों सत्य हैं। EVS पाठ्यपुस्तकों में कहानियों और आख्यानों का उपयोग छात्रों को आकर्षित करने और उन्हें विभिन्न पात्रों के साथ सहानुभूति रखने में मदद करने के लिए किया जाता है, जो उन्हें सामाजिक अंतरों के प्रति संवेदनशील बनाता है। दिए गए कारण से सही ढंग से पता चलता है कि कहानियों और आख्यानों का उपयोग क्यों किया जाता है। इसलिए, सही उत्तर है (b) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।

Q.84 केंद्र शासित प्रदेश के मानचित्र पर इसके एक कोने पर निम्नलिखित पैमाना अंकित है।
पैमाना, 1 सेमी = 155 मीटर
यदि कोई व्यक्ति दो शहरों के बीच की दूरी 19.7 सेमी मापता है, तो दोनों शहरों के बीच वास्तविक दूरी लगभग है:

A. 30.5 किमी
B. 3.10 किमी
C. 31.00 किमी
D. 3.05 किमी

Answer: D

Sol: 3.05 Km

Q.85 पृथ्वी का आयतन निम्नलिखित से बना है:
A. 1% क्रस्ट
B. 84% मेंटल
C. 15% कोर
निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनें:

A. सभी A, B और C सही हैं
B. केवल A और B सही हैं।
C. केवल B और C सही हैं।
D. केवल A और C सही हैं।

Answer: A

Sol: सही विकल्प (a) है सभी A, B और C सही हैं। पृथ्वी की परतों का आयतन वितरण लगभग इस प्रकार है:
 क्रस्ट (A): पृथ्वी की पपड़ी इसके आयतन का लगभग 1% बनाती है। यह सबसे बाहरी परत है, जिसमें महाद्वीपीय और महासागरीय क्रस्ट शामिल हैं।
 मेंटल (B): मेंटल पृथ्वी के आयतन का लगभग 84% हिस्सा है। यह क्रस्ट और कोर के बीच स्थित है और सिलिकेट चट्टानों से बना है जो लोहे और मैग्नीशियम से भरपूर हैं।
 कोर (C): कोर, जिसमें बाहरी और आंतरिक दोनों कोर शामिल हैं, पृथ्वी के आयतन का लगभग 15% बनाता है। कोर मुख्य रूप से लोहे और निकल से बना है और पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के लिए जिम्मेदार है।

Q.86 नीचे दिए गए अभिकथन **A** और कारण **R** को पढ़ें और सही विकल्प चुनें।
अभिकथन **A:** लोग तैरना न जानते हुए भी मृत सागर के पानी की सतह पर आसानी से तैर सकते हैं।
कारण **R:** मृत सागर के एक लीटर पानी में 300 ग्राम नमक होता है, जिससे यह सबसे अधिक नमक सांद्रता वाला समुद्र बन जाता है।

A. A गलत है लेकिन R सही है।
B. A और R दोनों सही हैं और R, A की व्याख्या करता है।
C. A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की व्याख्या नहीं करता है।
D. A सही है लेकिन R गलत है।

Answer: B

Sol: कथन और कारण दोनों सत्य हैं। मृत सागर में नमक की उच्च सांद्रता पानी के घनत्व को बढ़ाती है, जिससे लोगों के लिए तैरना आसान हो जाता है। दिए गए कारण कथन को सही ढंग से समझाते हैं। इसलिए, सही उत्तर है (b) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की व्याख्या करता है।

Q.87 एक ईवीएस शिक्षक के रूप में, आप चाहते हैं कि आपके छात्र वयस्कों के आसपास अपनी सुरक्षा के बारे में जागरूक हों ताकि वे (खुद की देखभाल कर सकें और) यौन उत्पीड़न का शिकार न हों। आपको कौन सा कदम सबसे उचित लगता है?

A. छात्राओं के लिए आत्मरक्षा कार्यशालाएँ आयोजित करें
B. उन्हें POCSO अधिनियम, 2012 के बारे में सिखाएँ
C. उन्हें अजनबियों से दूर रहना सिखाएँ
D. 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में कार्यशालाएँ आयोजित करें

Answer: D

Sol: 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में कार्यशालाएँ आयोजित करना छात्रों को वयस्कों के आसपास अपनी सुरक्षा के बारे में जागरूक करने के लिए सबसे उपयुक्त कदम है। इससे बच्चों को उचित और अनुचित व्यवहार के बीच अंतर समझने में मदद मिलती है और उन्हें खुद की सुरक्षा करने के लिए ज्ञान से लैस किया जाता है। इसलिए, सही उत्तर है (d) 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में कार्यशालाएँ आयोजित करें।

Q.88 निम्नलिखित में से ऊष्मा के कुचालकों के समूह का चयन करें:

A. ऊन, प्लास्टिक, लकड़ी
B. ऊन, लकड़ी, लोहा
C. वायु, जल, ताँबा
D. वायु, ऊन, एल्युमीनियम

Answer: A

Sol: सही विकल्प (a) ऊन, प्लास्टिक, लकड़ी है। ये पदार्थ ऊष्मा के खराब संवाहक होने के लिए जाने जाते हैं, जिन्हें इन्सुलेटर भी कहा जाता है। इन्सुलेटर वे पदार्थ होते हैं जो आसानी से ऊष्मा के हस्तांतरण की अनुमति नहीं देते हैं।

Q.89 समर अपने छात्रों से अपने परिवार के सदस्यों से सलाह लेने के लिए कहता है ताकि वे अलग-अलग तरीकों से पकाए जाने वाले खाद्य पदार्थों के नाम पता कर सकें जैसे भाप से पकाना, भूनना, उबालना, तलना आदि। इस गतिविधि का सबसे उपयुक्त कारण है:

A. गृह कार्य को प्रोत्साहित करना
B. प्रयोग को प्रोत्साहित करना
C. सामाजिक संपर्क में सुधार करना
D. बच्चों को समूहों में काम करने के अवसर प्रदान करना

Answer: C

Sol: सही विकल्प (c) सामाजिक संपर्क में सुधार है। यह गतिविधि छात्रों को विभिन्न खाना पकाने के तरीकों के बारे में अपने परिवार से परामर्श करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो सामाजिक संपर्क में सुधार करने में मदद करती है।

Q.90 ईवीएस में प्रक्रिया कौशल का आकलन करने के लिए मूल्यांकन के उपयुक्त उपकरणों की अधिकतम संख्या का चयन करें।
A. शिक्षक डायरी
B. परियोजना कार्य
C. आरेख बनाना
D. चित्र पठन

A. A, B और D
B. A, B और C
C. B, C और D
D. A, C और D

Answer: C

Sol: सही विकल्प (c) B, C और D है। ये उपकरण पर्यावरण अध्ययन (EVS) में विभिन्न प्रक्रिया कौशल का आकलन करने के लिए उपयुक्त हैं:
 परियोजना कार्य (B): यह छात्रों को किसी विषय के साथ गहराई से जुड़ने की अनुमति देता है, जिसके लिए उन्हें शोध, योजना, निष्पादन और अपने निष्कर्षों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है। यह आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और सहयोग जैसे कौशल का आकलन करता है।
 आरेख बनाना (C): यह छात्रों को जानकारी को दृश्य रूप से प्रस्तुत करने में मदद करता है, जो वैज्ञानिक अवधारणाओं और प्रक्रियाओं को समझने और संप्रेषित करने में एक महत्वपूर्ण कौशल है।
 चित्र पठन (D): यह अवलोकन कौशल और दृश्य जानकारी की व्याख्या और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करता है, जो पर्यावरणीय घटनाओं और प्रक्रियाओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

Q.91 राजा का अनिवार्य गुण नहीं है-
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।
अध्यात्म भी मन का राजा होने का मार्ग खोलता है। अपने मन का राजा होना मतलब मन पर स्वयं का अंकुश रखना। उसकी चाल का निर्धारण करना, अपना लक्ष्य बनाना, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रत्यन करना। अध्यात्म आपको अपने मन का राजा बनने की ओर ले जाता है। यह स्थिति आपाकें विकारों से दूर रखती है, वैचारिक सुंदरता का वरदान है और बुराई क समक्ष कमजोर होने से बचाती है। प्रकृति से उपहार में जो जीवन मिला है, उसके मूल्य को समझना चाहिए और उस क्षेत्र का राजा बनने के मार्ग पर चलना चाहिए, जिस पर मानवता का विस्तार हो।
राजा बनिए लेकिन शुद्ध विचारों, अच्छे कर्मों और मानवीय संवेदना का राजा बनिए। अन्याय, अधर्म आदि के भय से भयभीत न हों और एक ऐसी सत्ता बनाएँ, जिसमें समानता हो। जो स्वयं में राजा होकर समानता का मार्ग प्रशस्त करता है, वह अध्यात्म के क्षेत्र का भी राजा बन जाता है।

A. निर्भयता
B. मानवीय संवदेना
C. अच्छे कर्म
D. धर्मभीरू होना

Answer: D

Sol: "धर्मभीरू होना" राजा का अनिवार्य गुण नहीं है। गद्यांश में उल्लेखित गुणों में राजा के लिए आवश्यक गुण निर्भयता, मानवीय संवेदना, और अच्छे कर्म बताए गए हैं। राजा को निर्भीक होना चाहिए ताकि वह अन्याय और अधर्म के खिलाफ मजबूती से खड़ा हो सके। राजा को मानवीय संवेदना रखनी चाहिए, जिसका अर्थ है कि वह अपने शासन में करुणा और दया के भाव को बनाए रखे। इसके अलावा, राजा से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अच्छे कर्म करे, जिससे वह अपने राज्य और प्रजा की भलाई कर सके।
इसके विपरीत, "धर्मभीरू होना" अर्थात धर्म का अत्यधिक डर रखना, राजा का गुण नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह उसे अन्याय और अधर्म के खिलाफ साहसिक निर्णय लेने से रोक सकता है। एक राजा को धर्म का पालन तो करना चाहिए, लेकिन धर्मभीरू होकर डर के आधार पर निर्णय लेना उसके नेतृत्व की क्षमता को कमजोर कर सकता है।
Information Booster:
 निर्भयता: राजा को अन्याय और अधर्म के खिलाफ लड़ने के लिए निर्भीक होना चाहिए।
 मानवीय संवेदना: एक सच्चा राजा वह है जो करुणा और दया का भाव रखता है।
 अच्छे कर्म: राजा से अपेक्षा होती है कि वह हमेशा अच्छे कर्म करे और समाज के लिए आदर्श बने।
 धर्मभीरू होना: धर्म का अत्यधिक भय राजा को न्याय और साहसपूर्ण निर्णयों में बाधित कर सकता है।
 राजा को अपने निर्णय स्वतंत्रता और न्याय पर आधारित लेने चाहिए, न कि धर्म के भय से।
Additional Information:
 निर्भयता: राजा की सबसे बड़ी ताकत उसके साहस में होती है, जिससे वह अन्याय और बुराई का सामना कर सकता है।
 मानवीय संवेदना: एक राजा का हृदय कोमल होना चाहिए, जिससे वह अपने प्रजाजनों के दुख-दर्द को समझ सके।
 अच्छे कर्म: राजा के निर्णय और कार्य उसकी प्रजा के हित में होने चाहिए।
 धर्मभीरू होना: राजा को धर्म का पालन करना चाहिए, लेकिन धर्म के डर से फैसले लेना उसे कमजोर बनाता है।

Q.92 अपने मन का राजा होने से तात्पर्य है-
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।
अध्यात्म भी मन का राजा होने का मार्ग खोलता है। अपने मन का राजा होना मतलब मन पर स्वयं का अंकुश रखना। उसकी चाल का निर्धारण करना, अपना लक्ष्य बनाना, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रत्यन करना। अध्यात्म आपको अपने मन का राजा बनने की ओर ले जाता है। यह स्थिति आपाकें विकारों से दूर रखती है, वैचारिक सुंदरता का वरदान है और बुराई क समक्ष कमजोर होने से बचाती है। प्रकृति से उपहार में जो जीवन मिला है, उसके मूल्य को समझना चाहिए और उस क्षेत्र का राजा बनने के मार्ग पर चलना चाहिए, जिस पर मानवता का विस्तार हो।
राजा बनिए लेकिन शुद्ध विचारों, अच्छे कर्मों और मानवीय संवेदना का राजा बनिए। अन्याय, अधर्म आदि के भय से भयभीत न हों और एक ऐसी सत्ता बनाएँ, जिसमें समानता हो। जो स्वयं में राजा होकर समानता का मार्ग प्रशस्त करता है, वह अध्यात्म के क्षेत्र का भी राजा बन जाता है।

A. अपने जीवन पर अंकुश लगाना
B. दूसरों पर अंकुश लगाना
C. अपने लक्ष्य के लिए सत्ता हड़पना
D. मन को नियंत्रित करना

Answer: D

Sol: "अपने मन का राजा होने" का तात्पर्य है अपने मन को नियंत्रित करना। गद्यांश में यह बताया गया है कि व्यक्ति को अपने विचारों, इच्छाओं और भावनाओं पर पूर्ण नियंत्रण रखना चाहिए। जब व्यक्ति अपने मन का राजा होता है, तो वह अपनी भावनाओं और मनोवृत्तियों को अनुशासन में रखता है और उन्हें सही दिशा में ले जाता है। इसका मतलब यह नहीं है कि वह दूसरों पर नियंत्रण रखे, बल्कि अपने आंतरिक विचारों और भावनाओं को समझते हुए उन्हें नियंत्रित करे और अपनी इच्छा के अनुसार अपनी मानसिक दशा को बदले।
यह आत्म-संयम और आत्म-नियंत्रण की दिशा में पहला कदम होता है। मन को नियंत्रित करने से व्यक्ति अपने जीवन को अधिक व्यवस्थित और अनुशासित बना सकता है, जिससे वह अपने लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में सही निर्णय ले सकता है। इससे नकारात्मक विचारों, इच्छाओं और विकारों पर काबू पाना संभव होता है, जो अध्यात्मिक उन्नति का आधार है।

Information Booster:
- मन का नियंत्रण व्यक्ति को मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करता है।
- अपने मन का राजा बनने से व्यक्ति अपनी इच्छाओं और भावनाओं पर काबू पा सकता है।
- आत्म-संयम सफलता की कुंजी है, क्योंकि यह व्यक्ति को अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है।
- मन को नियंत्रित करने से विचारों की स्पष्टता और निर्णय लेने की क्षमता में सुधार होता है।
- अध्यात्म का मार्ग मन के नियंत्रण से शुरू होता है, जिससे व्यक्ति आत्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होता है।

Additional Information:
- अपने जीवन पर अंकुश लगाना: इसका अर्थ होता है अपने संपूर्ण जीवन को अनुशासन में रखना, जो सही उत्तर नहीं है क्योंकि यह संपूर्णता में जीवन का संदर्भ देता है न कि मन का।
- दूसरों पर अंकुश लगाना: इसका अर्थ दूसरों को नियंत्रित करना है, लेकिन मन का राजा बनने का अर्थ स्वयं को नियंत्रित करना है, न कि दूसरों को।
- अपने लक्ष्य के लिए सत्ता हड़पना: यह सत्ता की भूख को दर्शाता है, जो गद्यांश के अनुसार सही परिप्रेक्ष्य नहीं है।
- मन को नियंत्रित करना: यह सही उत्तर है क्योंकि यह आत्म-नियंत्रण और मन की शक्ति को दर्शाता है।

Q.93 राजा के किन गुणों की चर्चा गद्यांश में की गई है?
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।
अध्यात्म भी मन का राजा होने का मार्ग खोलता है। अपने मन का राजा होना मतलब मन पर स्वयं का अंकुश रखना। उसकी चाल का निर्धारण करना, अपना लक्ष्य बनाना, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रत्यन करना। अध्यात्म आपको अपने मन का राजा बनने की ओर ले जाता है। यह स्थिति आपाकें विकारों से दूर रखती है, वैचारिक सुंदरता का वरदान है और बुराई क समक्ष कमजोर होने से बचाती है। प्रकृति से उपहार में जो जीवन मिला है, उसके मूल्य को समझना चाहिए और उस क्षेत्र का राजा बनने के मार्ग पर चलना चाहिए, जिस पर मानवता का विस्तार हो।
राजा बनिए लेकिन शुद्ध विचारों, अच्छे कर्मों और मानवीय संवेदना का राजा बनिए। अन्याय, अधर्म आदि के भय से भयभीत न हों और एक ऐसी सत्ता बनाएँ, जिसमें समानता हो। जो स्वयं में राजा होकर समानता का मार्ग प्रशस्त करता है, वह अध्यात्म के क्षेत्र का भी राजा बन जाता है।

A. समता, समानता
B. शुद्ध विचार, अंकुश लगाना
C. अच्छे कार्य, दान करना
D. शुद्ध विचार, अच्छे कर्म

Answer: D

Sol: गद्यांश में राजा के शुद्ध विचार और अच्छे कर्मों की चर्चा की गई है। गद्यांश के अनुसार, राजा को अपने मन और विचारों पर नियंत्रण रखना चाहिए, यानी उसे शुद्ध विचार रखने चाहिए ताकि वह न्याय और सही दिशा में शासन कर सके। इसके साथ ही, राजा को अच्छे कर्म करने चाहिए, जिससे वह प्रजा का भला कर सके और समाज में समानता और न्याय की स्थापना कर सके। शुद्ध विचारों से ही राजा अपनी सत्ता को न्यायपूर्ण तरीके से चला सकता है, और अच्छे कर्म राजा को नैतिकता और मानवता का प्रतीक बनाते हैं। यह गुण राजा को शक्तिशाली और प्रजाप्रिय बनाते हैं।

Information Booster:
- शुद्ध विचार: राजा को अपने विचारों को शुद्ध और सकारात्मक रखना चाहिए, ताकि उसके निर्णय सही दिशा में हों।
- अच्छे कर्म: एक राजा का कार्य नैतिक और समाज के भले के लिए होना चाहिए।
- राजा को न्यायप्रिय होना चाहिए, जो शुद्ध विचारों से ही संभव है।
- अच्छे कर्म राजा को प्रजाजनों का प्रिय बनाते हैं और समाज में शांति और व्यवस्था स्थापित करते हैं।
- शुद्ध विचार और अच्छे कर्म एक आदर्श राजा के मूलभूत गुण हैं, जिनसे वह समाज में आदर्श स्थापित करता है।

Additional Information:
- समता, समानता: यह समानता की अवधारणा को दर्शाता है, जो राजा के गुणों में शामिल हो सकती है, लेकिन गद्यांश में इसका विशिष्ट उल्लेख नहीं है।
- शुद्ध विचार, अंकुश लगाना: शुद्ध विचार सही है, लेकिन अंकुश लगाने का संदर्भ यहाँ प्रासंगिक नहीं है।
- अच्छे कार्य, दान करना: अच्छे कार्य महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दान करने का विशेष उल्लेख गद्यांश में नहीं है।
- शुद्ध विचार, अच्छे कर्म: यह सही उत्तर है, क्योंकि गद्यांश में इन्हीं गुणों की चर्चा की गई है।

Q.94 'अध्यात्म' शब्द में _____प्रत्यय का प्रयोग किया जा सकता है।
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।
अध्यात्म भी मन का राजा होने का मार्ग खोलता है। अपने मन का राजा होना मतलब मन पर स्वयं का अंकुश रखना। उसकी चाल का निर्धारण करना, अपना लक्ष्य बनाना, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रत्यन करना। अध्यात्म आपको अपने मन का राजा बनने की ओर ले जाता है। यह स्थिति आपाकें विकारों से दूर रखती है, वैचारिक सुंदरता का वरदान है और बुराई क समक्ष कमजोर होने से बचाती है। प्रकृति से उपहार में जो जीवन मिला है, उसके मूल्य को समझना चाहिए और उस क्षेत्र का राजा बनने के मार्ग पर चलना चाहिए, जिस पर मानवता का विस्तार हो।
राजा बनिए लेकिन शुद्ध विचारों, अच्छे कर्मों और मानवीय संवेदना का राजा बनिए। अन्याय, अधर्म आदि के भय से भयभीत न हों और एक ऐसी सत्ता बनाएँ, जिसमें समानता हो। जो स्वयं में राजा होकर समानता का मार्ग प्रशस्त करता है, वह अध्यात्म के क्षेत्र का भी राजा बन जाता है।

A. ई
B. ईय
C. इक
D. ता

Answer: C

Sol: 'अध्यात्म' शब्द में 'इक' प्रत्यय का प्रयोग किया जा सकता है, जिससे 'आध्यात्मिक' शब्द बनता है। 'इक' प्रत्यय का उपयोग किसी विशेषण रूप में होता है, जो किसी गुण या अवस्था को व्यक्त करता है। जब 'अध्यात्म' शब्द में 'इक' प्रत्यय जोड़ा जाता है, तो यह शब्द 'आध्यात्मिक' बन जाता है, जिसका अर्थ होता है आध्यात्म से संबंधित या आध्यात्मिक गुणों वाला व्यक्ति। इस प्रकार यह शब्द किसी व्यक्ति के आंतरिक विकास, वैचारिक शुद्धता और आत्मा की पवित्रता को दर्शाता है।

Information Booster:
- इक प्रत्यय: यह विशेषण बनाने के लिए उपयोग किया जाता है, जैसे अध्यात्म से आध्यात्मिक।
- आध्यात्मिक: इसका अर्थ है आत्मा और विचारों से जुड़ी शुद्धता।
- अध्यात्मिक व्यक्ति वह होता है, जो अपनी आत्मा और मन के विकास की ओर अग्रसर होता है।
- 'इक' प्रत्यय का उपयोग संज्ञा से विशेषण बनाने के लिए किया जाता है।
- यह प्रत्यय व्यक्ति या वस्तु के गुणों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करता है।

Additional Information:
- ई: इसका प्रयोग शब्द को स्त्रीलिंग में बदलने के लिए किया जाता है, जैसे गुरु से गुरुई।
- ईय: यह प्रत्यय विशेषण बनाने के लिए प्रयोग होता है, जैसे राज से रजाईय।
- ता: यह प्रत्यय गुण या अवस्था को व्यक्त करता है|

Q.95 राजा बनने के लिए_____ की राह पर अग्रसर होना होगा।
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।
अध्यात्म भी मन का राजा होने का मार्ग खोलता है। अपने मन का राजा होना मतलब मन पर स्वयं का अंकुश रखना। उसकी चाल का निर्धारण करना, अपना लक्ष्य बनाना, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रत्यन करना। अध्यात्म आपको अपने मन का राजा बनने की ओर ले जाता है। यह स्थिति आपाकें विकारों से दूर रखती है, वैचारिक सुंदरता का वरदान है और बुराई क समक्ष कमजोर होने से बचाती है। प्रकृति से उपहार में जो जीवन मिला है, उसके मूल्य को समझना चाहिए और उस क्षेत्र का राजा बनने के मार्ग पर चलना चाहिए, जिस पर मानवता का विस्तार हो।
राजा बनिए लेकिन शुद्ध विचारों, अच्छे कर्मों और मानवीय संवेदना का राजा बनिए। अन्याय, अधर्म आदि के भय से भयभीत न हों और एक ऐसी सत्ता बनाएँ, जिसमें समानता हो। जो स्वयं में राजा होकर समानता का मार्ग प्रशस्त करता है, वह अध्यात्म के क्षेत्र का भी राजा बन जाता है।

A. कल्याण
B. प्रगति
C. अध्यात्म
D. सत्य

Answer: C

Sol: गद्यांश में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि राजा बनने के लिए व्यक्ति को अध्यात्म की राह पर अग्रसर होना होगा। अध्यात्म का अर्थ है आत्मिक और मानसिक शुद्धता की ओर बढ़ना, जहां व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और इच्छाओं पर नियंत्रण रखता है। एक सच्चा राजा वह होता है जो केवल बाहरी सत्ता या अधिकार से नहीं, बल्कि आत्मिक दृष्टिकोण से भी अपने जीवन को संतुलित रखता है। अध्यात्म की राह पर चलने से राजा अपने मन पर अंकुश लगाता है, शुद्ध विचारों और अच्छे कर्मों की ओर अग्रसर होता है, और इस प्रकार वह अपने राज्य में न्याय, समता, और मानवीय मूल्यों की स्थापना करता है।
अध्यात्म की राह पर चलने वाला राजा अपने विकारों और बुराइयों से दूर रहता है, जो उसे सच्चा और न्यायप्रिय राजा बनने में मदद करता है। राजा को अन्याय, अधर्म, और बुराई से निर्भीक होकर लड़ने की शक्ति अध्यात्म से ही प्राप्त होती है।

Information Booster:
- अध्यात्म का अर्थ है आत्मिक और मानसिक विकास की दिशा में आगे बढ़ना।
- अध्यात्मिक राजा अपने राज्य में न्याय, समानता और शांति की स्थापना करता है।
- अध्यात्म व्यक्ति को शुद्ध विचार और अच्छे कर्म करने की प्रेरणा देता है।
- अध्यात्मिकता से व्यक्ति नकारात्मक भावनाओं और विचारों से मुक्त होता है।

Adda247 GET IT ON Google Play

 अध्यात्मिक राजा अपने राज्य में मानवीय संवेदनाओं का प्रसार करता है।

Additional Information:

 कल्याण: यह व्यक्ति या समाज की भलाई की ओर संकेत करता है, लेकिन गद्यांश में यह प्राथमिक मार्ग नहीं बताया गया है।
 प्रगति: यह उन्नति की ओर संकेत करता है, लेकिन गद्यांश में राजा बनने के लिए यह विशेष मार्ग नहीं बताया गया है।
 सत्य: सत्य का अनुसरण महत्वपूर्ण है, लेकिन गद्यांश के अनुसार अध्यात्म की राह ही राजा बनने के लिए प्रमुख है।

Q.96 आध्यात्मिक होने का अर्थ है-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

अध्यात्म भी मन का राजा होने का मार्ग खोलता है। अपने मन का राजा होना मतलब मन पर स्वयं का अंकुश रखना। उसकी चाल का निर्धारण करना, अपना लक्ष्य बनाना, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रत्यन करना। अध्यात्म आपको अपने मन का राजा बनने की ओर ले जाता है। यह स्थिति आपाकें विकारों से दूर रखती है, वैचारिक सुंदरता का वरदान है और बुराई क समक्ष कमजोर होने से बचाती है। प्रकृति से उपहार में जो जीवन मिला है, उसके मूल्य को समझना चाहिए और उस क्षेत्र का राजा बनने के मार्ग पर चलना चाहिए, जिस पर मानवता का विस्तार हो।

राजा बनिए लेकिन शुद्ध विचारों, अच्छे कर्मों और मानवीय संवेदना का राजा बनिए। अन्याय, अधर्म आदि के भय से भयभीत न हों और एक ऐसी सत्ता बनाएँ, जिसमें समानता हो। जो स्वयं में राजा होकर समानता का मार्ग प्रशस्त करता है, वह अध्यात्म के क्षेत्र का भी राजा बन जाता है।

A. विचारों की सुंदरता
B. वैचारिक प्रबुद्धिता
C. दूसरों पर दया करना
D. शारीरिक सुंदरता

Answer: A

Sol: गद्यांश के अनुसार, आध्यात्मिक होने का अर्थ है विचारों की सुंदरता। इसका तात्पर्य है कि आध्यात्मिक व्यक्ति के विचार शुद्ध, सुसंस्कृत, और सकारात्मक होते हैं। ऐसे व्यक्ति अपनी आत्मा और विचारों को गहराई से समझते हैं और अपने आंतरिक जीवन को संतुलित रखते हैं। आध्यात्मिकता व्यक्ति को न केवल आंतरिक शांति प्रदान करती है, बल्कि उसे जीवन की चुनौतियों और कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति भी देती है।

आध्यात्मिकता का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के मन और आत्मा को शुद्ध करना होता है, जिससे व्यक्ति में नैतिकता, करुणा, और सकारात्मकता का विकास होता है। आध्यात्मिक व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं पर नियंत्रण रखता है, जिससे वह विकारों और बुराइयों से मुक्त रहता है। इसके परिणामस्वरूप, उसके विचार सुंदर और प्रेरणादायक बनते हैं, जो उसे जीवन में सफलता और शांति की ओर ले जाते हैं।

Information Booster:

 विचारों की सुंदरता: आध्यात्मिक व्यक्ति के विचार शुद्ध और सकारात्मक होते हैं।
 आध्यात्मिकता से व्यक्ति में आंतरिक शांति और संतुलन आता है।
 आध्यात्मिक व्यक्ति अपने मन और आत्मा की शुद्धता पर ध्यान केंद्रित करता है।
 आध्यात्मिकता विकारों और बुराइयों से व्यक्ति को दूर रखती है।
 विचारों की सुंदरता व्यक्ति को जीवन में सही दिशा और शक्ति प्रदान करती है।

Additional Information:

 वैचारिक प्रबुद्धिता: इसका अर्थ है विचारों की बौद्धिक प्रगति, जो आध्यात्मिकता से संबंधित हो सकती है, लेकिन गद्यांश में इसका विशिष्ट उल्लेख नहीं है।
 दूसरों पर दया करना: यह करुणा का एक गुण है, लेकिन यह पूरी तरह से आध्यात्मिकता को नहीं दर्शाता।
 शारीरिक सुंदरता: इसका संबंध केवल बाहरी रूप से है, जबकि आध्यात्मिकता आंतरिक सुंदरता से संबंधित होती है।

Q.97 गद्यांश के अनुसार मनुष्य जीवन में _____का बहुत महत्व है।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

अध्यात्म भी मन का राजा होने का मार्ग खोलता है। अपने मन का राजा होना मतलब मन पर स्वयं का अंकुश रखना। उसकी चाल का निर्धारण करना, अपना लक्ष्य बनाना, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रत्यन करना। अध्यात्म आपको अपने मन का राजा बनने की ओर ले जाता है। यह स्थिति आपाकें विकारों से दूर रखती है, वैचारिक सुंदरता का वरदान है और बुराई क समक्ष कमजोर होने से बचाती है। प्रकृति से उपहार में जो जीवन मिला है, उसके मूल्य को समझना चाहिए और उस क्षेत्र का राजा बनने के मार्ग पर चलना चाहिए, जिस पर मानवता का विस्तार हो।

राजा बनिए लेकिन शुद्ध विचारों, अच्छे कर्मों और मानवीय संवेदना का राजा बनिए। अन्याय, अधर्म आदि के भय से भयभीत न हों और एक ऐसी सत्ता बनाएँ, जिसमें समानता हो। जो स्वयं में राजा होकर समानता का मार्ग प्रशस्त करता है, वह अध्यात्म के क्षेत्र का भी राजा बन जाता है।

A. राजा
B. विस्तार
C. लक्ष्य
D. अंकुश

Answer: C

Sol: गद्यांश के अनुसार मनुष्य जीवन में "लक्ष्य" का बहुत महत्व है। गद्यांश में कहा गया है कि मनुष्य को अपने जीवन का एक स्पष्ट और निश्चित लक्ष्य बनाना चाहिए और उसे प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए। लक्ष्य बनाना और उसकी प्राप्ति के लिए कार्य करना ही जीवन का असली उद्देश्य होता है। जब व्यक्ति अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करता है, तो वह अपनी ऊर्जा और प्रयासों को एक दिशा में केंद्रित कर सकता है।

लक्ष्य का निर्धारण मनुष्य को दिशा और प्रेरणा देता है, जिससे वह अपने विचारों और कार्यों को सही तरीके से मार्गदर्शित कर पाता है। गद्यांश में यह भी बताया गया है कि अपने मन का राजा बनने के लिए और जीवन में सफल होने के लिए मनुष्य को लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सही लक्ष्य के बिना जीवन अनियंत्रित और दिशाहीन हो सकता है, इसलिए लक्ष्य का महत्व सर्वोपरि है।

Information Booster:

 लक्ष्य का अर्थ है जीवन में एक उद्देश्य निर्धारित करना।
 जीवन का लक्ष्य व्यक्ति को दिशा और प्रेरणा प्रदान करता है।
 बिना लक्ष्य के जीवन अनियंत्रित और उद्देश्यहीन हो जाता है।
 सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य का निर्धारण अनिवार्य है।
 लक्ष्य प्राप्ति के लिए मेहनत और आत्म-संयम की आवश्यकता होती है।

Additional Information:

 राजा: इसका यहाँ पर सही संदर्भ नहीं है, क्योंकि गद्यांश में जीवन के लक्ष्य पर अधिक जोर दिया गया है।
 विस्तार: इसका अर्थ व्यापकता हो सकता है, लेकिन यह गद्यांश के अनुसार महत्वपूर्ण नहीं है।
 अंकुश: अंकुश का भी महत्व है, लेकिन गद्यांश के अनुसार लक्ष्य का महत्व सर्वोपरि है।

Q.98 एक राजा को _____ और _____से नहीं डरना चाहिए।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

अध्यात्म भी मन का राजा होने का मार्ग खोलता है। अपने मन का राजा होना मतलब मन पर स्वयं का अंकुश रखना। उसकी चाल का निर्धारण करना, अपना लक्ष्य बनाना, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रत्यन करना। अध्यात्म आपको अपने मन का राजा बनने की ओर ले जाता है। यह स्थिति आपाकें विकारों से दूर रखती है, वैचारिक सुंदरता का वरदान है और बुराई क समक्ष कमजोर होने से बचाती है। प्रकृति से उपहार में जो जीवन मिला है, उसके मूल्य को समझना चाहिए और उस क्षेत्र का राजा बनने के मार्ग पर चलना चाहिए, जिस पर मानवता का विस्तार हो।

राजा बनिए लेकिन शुद्ध विचारों, अच्छे कर्मों और मानवीय संवेदना का राजा बनिए। अन्याय, अधर्म आदि के भय से भयभीत न हों और एक ऐसी सत्ता बनाएँ, जिसमें समानता हो। जो स्वयं में राजा होकर समानता का मार्ग प्रशस्त करता है, वह अध्यात्म के क्षेत्र का भी राजा बन जाता है।

A. अन्याय, अधर्म
B. असमानता, समता
C. वैचारिक सुंदता, लक्ष्य-निर्माण
D. अध्यात्म, अन्याय

Answer: A

Sol: दिए गए गद्यांश के अनुसार, अध्यात्म व्यक्ति को आत्म-नियंत्रण की ओर ले जाता है और बुराई के सामने कमजोर होने से बचाता है। राजा को शुद्ध विचारों और अच्छे कर्मों का पालन करते हुए अन्याय और अधर्म जैसे भय से नहीं डरना चाहिए। गद्यांश में यह भी कहा गया है कि राजा समानता की स्थापना करता है और विकारों से मुक्त रहता है।

Information Booster:

 अध्यात्म व्यक्ति को आत्म-नियंत्रण और मन का राजा बनने में मदद करता है।
 अन्याय और अधर्म से डरने की बजाय, उन्हें सामना करना चाहिए।
 राजा बनने का अर्थ अपने विचारों और कर्मों पर नियंत्रण रखना है।
 समानता और मानवीय संवेदना का मार्ग प्रशस्त करने वाला राजा ही सच्चा राजा होता है।
 अध्यात्म मन को विकारों से मुक्त कर, विचारों की सुंदरता प्रदान करता है।

Additional Information:

 अन्याय: अन्याय का मतलब है न्याय की अनुपस्थिति, जहाँ सत्य का पालन नहीं होता।
 अधर्म: अधर्म वह है जो धार्मिक और नैतिक नियमों का उल्लंघन करता है।
 असमानता: इसका मतलब समाज में असमानता या भेदभाव है।
 समता: समानता या बराबरी का सिद्धांत, जहाँ सभी के साथ समान व्यवहार हो।

Q.99 विशेषण -विशेष्य का उदाहरण नहीं है:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।
अध्यात्म भी मन का राजा होने का मार्ग खोलता है। अपने मन का राजा होना मतलब मन पर स्वयं का अंकुश रखना। उसकी चाल का निर्धारण करना, अपना लक्ष्य बनाना, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रत्यन करना। अध्यात्म आपको अपने मन का राजा बनने की ओर ले जाता है। यह स्थिति आपाकें विकारों से दूर रखती है, वैचारिक सुंदरता का वरदान है और बुराई क समक्ष कमजोर होने से बचाती है। प्रकृति से उपहार में जो जीवन मिला है, उसके मूल्य को समझना चाहिए और उस क्षेत्र का राजा बनने के मार्ग पर चलना चाहिए, जिस पर मानवता का विस्तार हो।
राजा बनिए लेकिन शुद्ध विचारों, अच्छे कर्मों और मानवीय संवेदना का राजा बनिए। अन्याय, अधर्म आदि के भय से भयभीत न हों और एक ऐसी सत्ता बनाएँ, जिसमें समानता हो। जो स्वयं में राजा होकर समानता का मार्ग प्रशस्त करता है, वह अध्यात्म के क्षेत्र का भी राजा बन जाता है।

A. लक्ष्य-निर्माण
B. वैचारिक सुंदरता
C. अच्छे कर्म
D. मानवीय संवेदना

Answer: A

Sol: "लक्ष्य-निर्माण" विशेषण-विशेष्य का उदाहरण नहीं है। विशेषण वह शब्द होता है जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है, जबकि विशेष्य वह संज्ञा होती है जिसे विशेषण द्वारा परिभाषित किया जाता है। उदाहरण के लिए, 'वैचारिक सुंदरता' में "वैचारिक" विशेषण है और "सुंदरता" विशेष्य। इसी तरह, 'अच्छे कर्म' में "अच्छे" विशेषण है और "कर्म" विशेष्य है।
लेकिन "लक्ष्य-निर्माण" में कोई विशेषण नहीं है। यह एक संयोजन है, जहाँ 'लक्ष्य' और 'निर्माण' दोनों संज्ञाएँ हैं, जो एक साथ मिलकर एक प्रक्रिया का वर्णन कर रही हैं। यह शब्द विशेषण-विशेष्य का उदाहरण नहीं है क्योंकि इसमें विशेषण की भूमिका नहीं है, बल्कि यह एक प्रक्रिया या क्रिया को दर्शाता है।
Information Booster:
- विशेषण वह शब्द होता है जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है।
- विशेष्य वह संज्ञा होती है, जिसकी विशेषता विशेषण द्वारा बताई जाती है।
- "वैचारिक सुंदरता" में "वैचारिक" विशेषण है और "सुंदरता" विशेष्य है।
- "अच्छे कर्म" में "अच्छे" विशेषण है और "कर्म" विशेष्य है।
- "लक्ष्य-निर्माण" एक संज्ञा संयोजन है, विशेषण-विशेष्य का उदाहरण नहीं है।

Additional Information:
- वैचारिक सुंदरता: "वैचारिक" विशेषण है और "सुंदरता" विशेष्य।
- अच्छे कर्म: "अच्छे" विशेषण है और "कर्म" विशेष्य।
- मानवीय संवेदना: "मानवीय" विशेषण है और "संवेदना" विशेष्य।

Q.100 'हिमालय' का संधि-विच्छेद है-
नीचे दी गई कविता को पढ़कर प्रश्नों के सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।
गांधी, तिलक, सुभाष, जवाहर का प्यारा यह देश है, जियो और जीने दो का सबकों देता संदेश है। प्रहरी बनकर खड़ा हिमालय जिसके उत्तर द्वारा पर, हिंद महासागर दक्षिण में इसके लिए विशेश है। लगी गूँजने दसों दिशाएँ वीरों के यशगान से, हमें मिली आज़ादी वीर शहीदों के बलिदान से।

A. हिमा + अलय
B. हिमा + लय
C. हिम + आलय
D. हिम + अलय

Answer: C

Sol: हिमालय' का सही संधि-विच्छेद 'हिम + आलय' है। 'हिम' का अर्थ है बर्फ, और 'आलय' का अर्थ है निवास। इसलिए 'हिमालय' का अर्थ होता है 'बर्फ का घर' या 'बर्फ का निवास स्थान'। संस्कृत भाषा में यह संधि नियमों के अनुसार बना हुआ शब्द है और इसका उपयोग बर्फ से ढके पर्वतों के संदर्भ में किया जाता है। हिमालय पर्वत श्रृंखला, जो भारत, नेपाल, और तिब्बत में फैली है, इसी नाम से जानी जाती है।
Information Booster:
- 'हिम' का अर्थ बर्फ होता है।
- 'आलय' का अर्थ निवास या घर होता है।
- 'हिमालय' संस्कृत शब्द है, जिसका शाब्दिक अर्थ 'बर्फ का घर' होता है।
- हिमालय पृथ्वी की सबसे ऊँची पर्वत श्रृंखला है, जिसमें माउंट एवरेस्ट भी शामिल है।
- हिमालय न केवल भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से भी इसका विशेष स्थान है।

Additional Information:
- हिमा + अलय: यह विकल्प गलत है क्योंकि सही संधि 'हिम + आलय' है।
- हिमा + लय: यह संधि नियमों के अनुसार सही नहीं है, क्योंकि यह शब्द का गलत रूप है।
- हिम + अलय: यह गलत विकल्प है, क्योंकि इसमें 'आलय' का सही रूप नहीं है।

Q.101 कविता में किन महापुरुष कर उल्लेख किया गया है?
नीचे दी गई कविता को पढ़कर प्रश्नों के सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।
गांधी, तिलक, सुभाष, जवाहर का प्यारा यह देश है, जियो और जीने दो का सबकों देता संदेश है। प्रहरी बनकर खड़ा हिमालय जिसके उत्तर द्वारा पर, हिंद महासागर दक्षिण में इसके लिए विशेश है। लगी गूँजने दसों दिशाएँ वीरों के यशगान से, हमें मिली आज़ादी वीर शहीदों के बलिदान से।

A. सुखदेव
B. चंद्रशेखर आज़ाद
C. महात्मा गांधी
D. राजगुरु

Answer: C

Sol: कविता में महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस, और जवाहरलाल नेहरू का उल्लेख किया गया है। ये सभी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। महात्मा गांधी ने अहिंसा और सत्याग्रह का मार्ग अपनाया और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी। बाल गंगाधर तिलक ने स्वराज्य की मांग की, सुभाष चंद्र बोस ने आज़ाद हिंद फौज की स्थापना की, और जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता के बाद देश का नेतृत्व किया।
Information Booster:
- महात्मा गांधी: स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता, जिन्होंने अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों का पालन किया।
- बाल गंगाधर तिलक: स्वतंत्रता संग्राम के शुरुआती नेताओं में से एक, जिन्होंने स्वराज्य की मांग की।
- सुभाष चंद्र बोस: आज़ाद हिंद फौज के संस्थापक, जिन्होंने सशस्त्र संघर्ष द्वारा स्वतंत्रता प्राप्त करने का प्रयास किया।
- जवाहरलाल नेहरू: स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री, जिन्होंने देश के विकास की नींव रखी।
- इन महापुरुषों ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Additional Information:
- सुखदेव: सुखदेव एक स्वतंत्रता सेनानी थे, लेकिन उनका उल्लेख कविता में नहीं है।
- चंद्रशेखर आज़ाद: चंद्रशेखर आज़ाद का भी उल्लेख कविता में नहीं किया गया है।
- राजगुरु: राजगुरु का उल्लेख इस कविता में नहीं है।

Q.102 'वीर' का बहुवचन रूप है-
नीचे दी गई कविता को पढ़कर प्रश्नों के सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।
गांधी, तिलक, सुभाष, जवाहर का प्यारा यह देश है, जियो और जीने दो का सबकों देता संदेश है। प्रहरी बनकर खड़ा हिमालय जिसके उत्तर द्वारा पर, हिंद महासागर दक्षिण में इसके लिए विशेश है। लगी गूँजने दसों दिशाएँ वीरों के यशगान से, हमें मिली आज़ादी वीर शहीदों के बलिदान से।

A. वीरांगना
B. वीरों
C. वीर
D. वीराँ

Answer: C

Sol: 'वीर' का बहुवचन भी 'वीर' ही होता है। हिंदी व्याकरण में कई शब्दों का बहुवचन रूप उनके एकवचन रूप के समान होता है। 'वीर' शब्द भी ऐसे ही शब्दों में से एक है। यह शब्द बहादुर और साहसी व्यक्तियों के लिए प्रयुक्त होता है, चाहे वह एक व्यक्ति हो या अनेक, 'वीर' शब्द का ही प्रयोग होता है।
Information Booster:
- वीर का अर्थ होता है बहादुर या साहसी व्यक्ति।

Adda247 GET IT ON Google Play

- 'वीर' का बहुवचन रूप भी 'वीर' ही होता है।
- हिंदी में कुछ शब्दों के बहुवचन रूप उनके एकवचन रूप के समान होते हैं, जैसे 'वीर'।
- कविता में 'वीर' शब्द उन साहसी लोगों के लिए प्रयुक्त हुआ है जिन्होंने देश की आजादी के लिए बलिदान दिया।
- ऐसे शब्द हिंदी में नियम के अनुसार स्थिर रूप में रहते हैं, जैसे 'पक्षी' और 'मछली'।

Additional Information:

- वीरांगना: यह स्त्रीलिंग रूप है, जो वीर स्त्रियों के लिए प्रयुक्त होता है।
- वीरों: यह रूप गलत है क्योंकि 'वीर' का बहुवचन रूप 'वीर' ही होता है।
- वीराँ: यह रूप गलत है, व्याकरणिक रूप से यह मान्य नहीं है।

Q.103 भारत देश की क्या विशेषता है?

नीचे दी गई कविता को पढ़कर प्रश्नों के सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।
गांधी, तिलक, सुभाष, जवाहर का प्यारा यह देश है, जियो और जीने दो का सबकों देता संदेश है। प्रहरी बनकर खड़ा हिमालय जिसके उत्तर द्वारा पर, हिंद महासागर दक्षिण में इसके लिए विशेश है। लगी गूँजने दसों दिशाएँ वीरों के यशगान से, हमें मिली आज़ादी वीर शहीदों के बलिदान से।

A. उत्तर में सुंदर वादियाँ हैं।
B. उत्तर में प्रहरी खड़े हैं।
C. दक्षिण में अरब सागर है।
D. दक्षिण में हिंद महासागर है।

Answer: D

Sol: कविता के अनुसार, भारत की विशेषता यह है कि इसके दक्षिण में हिंद महासागर स्थित है। गद्यांश में यह उल्लेख किया गया है कि उत्तर में हिमालय प्रहरी के रूप में खड़ा है और दक्षिण में हिंद महासागर भारत की रक्षा करता है। हिंद महासागर भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और इसका भौगोलिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक महत्व भी है। भारत की समुद्री सीमा दक्षिण में इसी महासागर से मिलती है।

Information Booster:

- भारत के दक्षिण में हिंद महासागर स्थित है।
- हिंद महासागर का भारत के भौगोलिक और सामरिक महत्व है।
- भारत की समुद्री सीमा इस महासागर से मिलती है, जो व्यापार और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।
- भारत के उत्तर में हिमालय पर्वत श्रृंखला स्थित है।
- हिंद महासागर में कई महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक मार्ग गुजरते हैं।

Additional Information:

- उत्तर में सुंदर वादियाँ: यह उत्तर का वर्णन है, लेकिन सही उत्तर नहीं है।
- उत्तर में प्रहरी खड़े हैं: यह सही है, लेकिन कविता में विशेषता के रूप में दक्षिण का वर्णन किया गया है।
- दक्षिण में अरब सागर: यह गलत है, क्योंकि कविता में हिंद महासागर का उल्लेख है।

Q.104 कविता में किन वीरों के यशगान की बात की गई है?

नीचे दी गई कविता को पढ़कर प्रश्नों के सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।
गांधी, तिलक, सुभाष, जवाहर का प्यारा यह देश है, जियो और जीने दो का सबकों देता संदेश है। प्रहरी बनकर खड़ा हिमालय जिसके उत्तर द्वारा पर, हिंद महासागर दक्षिण में इसके लिए विशेश है। लगी गूँजने दसों दिशाएँ वीरों के यशगान से, हमें मिली आज़ादी वीर शहीदों के बलिदान से।

A. जिन्होंने दसों दिशाओं का भ्रमण किया
B. जिन्होंने शांति-यात्रा का शुभारंभ किया
C. जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए जीवन दिया
D. जिन्होंने दूसरों के सुख की प्रार्थना की

Answer: C

Sol: कविता में उन वीरों के यशगान की बात की गई है जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। इन वीरों ने अपने साहस, बलिदान और समर्पण से भारत को आजादी दिलाई। उनके बलिदानों की गाथा दसों दिशाओं में गूँज रही है, और उनके शौर्य को हमेशा याद किया जाएगा। भारत की आजादी के संघर्ष में कई वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी, जिनकी वीरता और बलिदान का यशगान कविता में किया गया है।

Information Booster:

- वीर वे होते हैं जिन्होंने साहस और बलिदान का परिचय दिया हो।
- कविता में उन वीरों की गाथा गाई गई है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया।
- भारत की स्वतंत्रता की प्राप्ति में इन वीरों के योगदान को कविता में सराहा गया है।
- उनकी वीरता की गाथाएँ दसों दिशाओं में गूँज रही हैं।
- स्वतंत्रता संग्राम के महान वीरों का बलिदान भारतीय इतिहास में अमर है।

Additional Information:

- दसों दिशाओं का भ्रमण: यह कविता का संदर्भ नहीं है, इसलिए गलत है।
- शांति-यात्रा का शुभारंभ: यह भी कविता में वर्णित नहीं है।
- दूसरों के सुख की प्रार्थना: यह कविता का विषय नहीं है, इसलिए गलत है।

Q.105 कविता में किस संदेश की बात की गई है?

नीचे दी गई कविता को पढ़कर प्रश्नों के सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।
गांधी, तिलक, सुभाष, जवाहर का प्यारा यह देश है, जियो और जीने दो का सबकों देता संदेश है। प्रहरी बनकर खड़ा हिमालय जिसके उत्तर द्वारा पर, हिंद महासागर दक्षिण में इसके लिए विशेश है। लगी गूँजने दसों दिशाएँ वीरों के यशगान से, हमें मिली आज़ादी वीर शहीदों के बलिदान से।

A. जियो और जीने दो
B. सुख से जीवन जियो
C. दूसरों को जीने दो
D. दुखों से घबराना नहीं

Answer: A

Sol: कविता में 'जियो और जीने दो' का संदेश दिया गया है। यह संदेश अहिंसा, सहनशीलता और समभाव का प्रतीक है। इसका अर्थ है कि हमें न केवल खुद के लिए जीना चाहिए, बल्कि दूसरों के जीवन का भी आदर करना चाहिए। यह संदेश भारतीय संस्कृति और महात्मा गांधी के सिद्धांतों से मेल खाता है, जहाँ सभी को समान अधिकार और स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। यह संदेश समाज में शांति, सहयोग और परस्पर सम्मान को बढ़ावा देता है।

Information Booster:

- जियो और जीने दो का अर्थ है दूसरों के जीवन का सम्मान करना।
- यह संदेश शांति और सहअस्तित्व को बढ़ावा देता है।
- यह महात्मा गांधी के अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों से मेल खाता है।
- समाज में सभी को स्वतंत्रता और समान अधिकार होना चाहिए।
- यह संदेश सामाजिक शांति और सद्भावना का प्रतीक है।

Additional Information:

- सुख से जीवन जियो: यह व्यक्तिगत सुख पर केंद्रित है, लेकिन कविता में यह संदेश नहीं दिया गया है।
- दूसरों को जीने दो: यह संदेश भी सही है, लेकिन पूरा संदेश 'जियो और जीने दो' है।
- दुखों से घबराना नहीं: यह भी सही जीवन मूल्य हो सकता है, लेकिन कविता में इसका उल्लेख नहीं है।

Q.106 आप हिंदी भाषा अध्यापक हैं और आपकी नियुक्ति पंजाब के किसी प्राथमिक विद्यालय में होती है। अब चूँकि आप स्था भाषा नहीं जानते हैं तो आपको क्या करना चाहिए?

A. समुदाय को हिन्दी सीखने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
B. किसी हिंदी भाषी क्षेत्र में स्थानांतरण के लिए आवेदन कर देना चाहिए।
C. बच्चों की भाषा को एक संसाधन के रूप में इस्तेमाल करन चाहिए और शिक्षण आरंभ करना चाहिए।
D. अंग्रेजी में सम्प्रेषण करना चाहिए।

Answer: C

Sol: बच्चों की भाषा को एक संसाधन के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए और शिक्षण आरंभ करना चाहिए।
जब आप एक हिंदी भाषा अध्यापक के रूप में पंजाब के किसी प्राथमिक विद्यालय में नियुक्त होते हैं और आपको स्थानीय भाषा नहीं आती, तो सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप बच्चों की भाषा को एक संसाधन के रूप में इस्तेमाल करें और उनके माध्यम से शिक्षण शुरू करें। यह दृष्टिकोण बच्चों के लिए शिक्षण को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाता है।

Q.107 किसी टॉपिक पर मानस मंथन करने के बाद भी एक बालिका अपने आप से अनुच्छे नहीं लिख पा रही है। हालाँकि वह वयस्क या सहपाठी के मार्गदर्शन में लिख लेती है। इस प्रकार के मार्गदर्शन को क्या कहेंगे?

A. टीम शिक्षण
B. मदद (स्काफोल्डिंग)
C. सहपाठी शिक्षण
D. सहपाठी परामर्श

Answer: B

Sol: मदद (स्काफोल्डिंग)
जब एक बालिका किसी टॉपिक पर मानस मंथन करने के बाद भी स्वयं अनुच्छेद नहीं लिख पाती लेकिन वयस्क या सहपाठी के मार्गदर्शन में लिख लेती है, तो इस प्रकार के मार्गदर्शन को स्काफोल्डिंग (मदद) कहते हैं। यह एक शिक्षण विधि है जिसमें शिक्षक या सहपाठी छात्र की सहायता करते हैं ताकि वह धीरे-धीरे स्वतंत्र रूप से कार्य करने में सक्षम हो सके।

Q.108 भाषा अर्जन केवल तभी घटित होता है जब _____।

A. बच्चों को भाषा का परिवेश (एक्सपोज़र) दिया जाए
B. बच्चों को व्याकरण के नियम सिखाए जाएँ
C. बच्चों को अनुवाद करने का अभ्यास करवाया जाए
D. बच्चों को पठन के अवसर दिए जाएँ

Answer: A

Sol: बच्चों को भाषा का परिवेश (एक्सपोज़र) दिया जाए।
भाषा अर्जन केवल तभी घटित होता है जब बच्चों को भाषा का पर्याप्त परिवेश और एक्सपोज़र दिया जाए। व्याकरण के नियम सिखाना, अनुवाद का अभ्यास करवाना, या पठन के अवसर देना, भाषा अर्जन के पूरक हो सकते हैं, लेकिन वास्तविक अर्जन भाषा के प्राकृतिक परिवेश से ही होता है।

Q.109 निम्नलिखित में से कौन-सा कथन पाठ्यपुस्तक के बारे में सही है?

A. पाठ्यपुस्तक का स्थान कोई दूसरा नहीं ले सकता।
B. पाठ्यपुस्तक अध्यापक और विद्यार्थी के लिए एकमात्र महत्वपूर्ण सामग्री है।
C. यह पाठ्यचर्या में उल्लिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करती है।
D. ये सत्र लिए शैक्षिक गतिविधियों की योजना है।

Answer: C

Sol: यह पाठ्यचर्या में उल्लिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करती है।
पाठ्यपुस्तक का मुख्य उद्देश्य शिक्षण सामग्री को विद्यार्थियों तक पहुँचाना और पाठ्यचर्या में उल्लिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करना है। हालांकि, यह एकमात्र महत्वपूर्ण सामग्री नहीं है और इसका स्थान अन्य संसाधन भी ले सकते हैं।

Q.110 आप कक्षा पाँच के अध्यापक हैं। आपने विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री अच्छी तरह से पढ़ने के लिए कहा है। उसके बाद आप संदर्भ और प्रसंग को ध्यान में रखते हुए प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कहते हैं। इस प्रक्रिया के द्वारा आप विद्यार्थियों को किस तरह के पठन के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं?

A. गहन पठन
B. विस्तृत पठन
C. बारीकी से पठन
D. सरसरी तौर पर पठन

Answer: A

Sol: गहन पठन।
जब आप कक्षा पाँच के विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री को अच्छी तरह से पढ़ने के लिए कहते हैं और फिर संदर्भ और प्रसंग को ध्यान में रखते हुए प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कहते हैं, तो आप उन्हें गहन पठन के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। यह पठन का एक तरीका है जिसमें पाठ के अर्थ और विवरणों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

Q.111 किसी पाठ्य सामग्री से विशिष्ट सूचना निकालने के उद्देश्य से गहनपूर्वक या गहराई से उस पाठ्य सामग्री को पढ़ने का कौशल _____बोध है।

A. मूल्याँकन परक
B. वैश्विक
C. स्थानीय
D. निष्कर्षात्मक

Answer: C

Sol: स्थानीय
किसी पाठ्य सामग्री से विशिष्ट सूचना निकालने के उद्देश्य से गहनपूर्वक या गहराई से उस पाठ्य सामग्री को पढ़ने का कौशल स्थानीय बोध कहलाता है। यह कौशल पाठ के विवरण और विशिष्ट जानकारी को समझने और प्राप्त करने पर केंद्रित होता है।

Q.112 व्याकरण पढ़ाने का निगमनात्मक उपागम अनुशंसा करता है कि हमें सबसे पहले_____।

A. ड्रिल के माध्यम से अभ्यास करवाना चाहिए
B. उदाहरण प्रस्तुत करने चाहिए
C. नियम प्रस्तुत करने चाहिए
D. वास्तविक सम्प्रेषण प्रस्तुत करना चाहिए

Answer: C

Sol: नियम प्रस्तुत करने चाहिए
व्याकरण पढ़ाने का निगमनात्मक उपागम अनुशंसा करता है कि हमें सबसे पहले नियम प्रस्तुत करने चाहिए। इस उपागम में, शिक्षक पहले व्याकरण के नियमों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करते हैं, और फिर विद्यार्थियों को इन नियमों के आधार पर अभ्यास करने के लिए कहते हैं। इससे विद्यार्थियों को व्याकरण के नियमों को समझने और उन्हें लागू करने में मदद मिलती है।

Q.113 _____ तथ्यों से कहीं आगे जाकर अनुमान लगाने का तरीका है।

A. पाठ्यसामग्री का विस्तार (एक्सट्रापोलेशन)
B. व्याख्या करना

C. विश्लेषण करना
D. निष्कर्ष निकालना

Answer: A

Sol: पाठ्यसामग्री का विस्तार (एक्सट्रापोलेशन)
पाठ्यसामग्री का विस्तार (एक्सट्रापोलेशन) तथ्यों से कहीं आगे जाकर अनुमान लगाने का तरीका है। इसमें उपलब्ध जानकारी से आगे की जानकारी का अनुमान लगाया जाता है, जिससे विद्यार्थियों की समझ और विश्लेषण क्षमता का विकास होता है।

Q.114 कक्षा में मातृभाषा को स्थान न देना किस विधि की विशेषता है?

A. प्रत्यक्ष (डायरेक्ट)
B. प्राकृतिक
C. द्वि भाषिक
D. श्रव्य भाषिक

Answer: A

Sol: प्रत्यक्ष (डायरेक्ट)
कक्षा में मातृभाषा को स्थान न देना प्रत्यक्ष विधि की विशेषता है। इस विधि में केवल लक्ष्य भाषा का ही प्रयोग किया जाता है, और मातृभाषा का उपयोग नहीं किया जाता। इसका उद्देश्य छात्रों को लक्ष्य भाषा में सोचने और संप्रेषण करने के लिए प्रेरित करना होता है।

Q.115 एक अध्यापक होने के नाते आप एक बच्चे की उसके 'कुल भाषा प्रयोग' क लिए प्रशंसा करते हैं। यद्यपि उसने कुछ शब्दों की वर्तनी गलत लिखी है। आप कक्षा में किस उपागम का प्रयोग कर रहे हैं?

A. संरचनात्मक
B. समग्र भाषा
C. सम्प्रेषणात्मक
D. रचनावादी

Answer: B

Sol: समग्र भाषा
एक अध्यापक के रूप में, बच्चे की उसके 'कुल भाषा प्रयोग' के लिए प्रशंसा करने का मतलब है कि आप उसके संपूर्ण भाषा कौशल को महत्व दे रहे हैं, भले ही उसने कुछ शब्दों की वर्तनी गलत लिखी हो। यह समग्र भाषा उपागम का उदाहरण है, जो भाषा को एक संपूर्ण और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखता है और संप्रेषण और अर्थ पर जोर देता है।

Q.116 एक भाषा अध्यापक को चाहिए कि वह शिक्षार्थियों को स्वच्छन्द लेखन के लिए प्रोत्साहित करें क्योंकि स्वच्छन्द लेखन का शिक्षार्थियों के लिए लाभ है:

A. शिक्षार्थी अपनी प्रथम भाषा के लिखित स्वरूप के गुणधर्म समावेशित कर सकते हैं।
B. यह शिक्षार्थियों को प्रवाह के साथ और रचनात्मक तरीके से लिखने के लिए प्रोत्साहित करता है।
C. शिक्षार्थी लिखने या ना लिखने के लिए स्वतंत्र है।
D. शिक्षार्थी ये महसूस नहीं करते हैं कि उन्हें कुछ अधिक या एकदम सटीक लिखना है।

Answer: B

Sol: यह शिक्षार्थियों को प्रवाह के साथ और रचनात्मक तरीके से लिखने के लिए प्रोत्साहित करता है।
एक भाषा अध्यापक को शिक्षार्थियों को स्वच्छन्द लेखन के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि यह उन्हें प्रवाह के साथ और रचनात्मक तरीके से लिखने के लिए प्रेरित करता है। स्वच्छन्द लेखन विद्यार्थियों को अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने का अवसर देता है और उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देता है।

Q.117 यह अधिगम का एक प्रकार है जिसमें बच्चे को उच्च स्तरीय मानसिक प्रक्रियाओं जैसे बुद्धि या तर्क करना आदि का प्रयोग करना होता है:

A. संरचना अधिगम
B. मौखिक अधिगम
C. अवधारणा अधिगम
D. गत्यात्मक कौशल अधिगम

Answer: C

Sol: अवधारणा अधिगम
अवधारणा अधिगम वह प्रक्रिया है जिसमें बच्चे को उच्च स्तरीय मानसिक प्रक्रियाओं जैसे बुद्धि, तर्क करना आदि का प्रयोग करना होता है। इसमें बच्चे नई अवधारणाओं को समझते और उन्हें अन्य जानकारी के साथ जोड़ते हैं, जिससे उनकी संज्ञानात्मक क्षमताओं का विकास होता है।

Q.118 निम्नलिखित में से कौन-सा कक्षायी अभ्यास विद्यार्थियों में मौखिक भाषा के विकास में मदद करेगा?

A. नए या अपरिचित शब्दों के सही उच्चारण का अभ्यास करना।
B. अध्यापक के साथ पाठ्यसामग्री का समवेत पठन।
C. कविता को कंठस्थ कर लेने के बाद कविता का समवेत गायन।
D. रो प्ले में भाग लेना।

Answer: D

Sol: रो प्ले में भाग लेना कक्षायी अभ्यास विद्यार्थियों में मौखिक भाषा के विकास में मदद करेगा| मौखिक भाषा का विकास विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से होता है जो विद्यार्थियों को बातचीत करने, अपनी विचारों को व्यक्त करने और संवाद कौशल को सुधारने के अवसर प्रदान करती हैं। रो प्ले में भाग लेना इस दिशा में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होता है।

Q.119 जब हम यह कहते हैं कि 'भाषा यादृच्छिक है' तो इसका तात्पर्य है-

A. भाषा पहले से निर्धारित सिद्धान्तों का पालन करती है।
B. भाषा के शब्दों और उनके अर्थों के बीच अन्तर्निहित संबंध है।
C. शब्दों और उनके अर्थों के बीच संबंध किसी ठोस कारण पर आधारित है न कि बस यूँ ही।
D. भाषा शब्दों और उनके अर्थों के बीच किसी प्रकार का अन्तर्निहित संबंध नहीं है।

Answer: D

Sol: भाषा शब्दों और उनके अर्थों के बीच किसी प्रकार का अन्तर्निहित संबंध नहीं है।
जब हम कहते हैं कि 'भाषा यादृच्छिक है' तो इसका तात्पर्य है कि भाषा शब्दों और उनके अर्थों के बीच कोई अन्तर्निहित संबंध नहीं है। इसका मतलब है कि शब्द और उनके अर्थ किसी ठोस कारण पर आधारित नहीं होते, बल्कि सामाजिक समझौते और परंपराओं पर आधारित होते हैं।

Q.120 भाषा अधिगम में निदानात्मक परीक्षण का उद्देश्य क्या है?

A. विद्यार्थियों के प्रगति रिपोर्ट कार्ड में प्राप्तफल लिखना।
B. योगात्मक आकलन के लिए योजना एवं प्रश्न बनाना।
C. अभिभावक-शिक्षक बैठक में अभिभावकों को सूचित करना और ध्यान देने के लिए कहना।
D. बच्चों की समझ में रह गए अंतरों को जानना और उपचारात्मक कदम उठाना।

Answer: D

Sol: बच्चों की समझ में रह गए अंतरों को जानना और उपचारात्मक कदम उठाना।
भाषा अधिगम में निदानात्मक परीक्षण का उद्देश्य बच्चों की समझ में रह गए अंतरों को जानना और उन अंतरों को दूर करने के लिए उपचारात्मक कदम उठाना है। यह परीक्षण शिक्षकों को विद्यार्थियों की कमजोरियों की पहचान करने और उन्हें सुधारने के लिए आवश्यक उपाय करने में मदद करता है।

Q.121 One benefit of travelling in the express lift of Gagarin was that:
Read the passage given below and answer the questions that follow:
Perhaps the worst of the ordeals was to be shut in a darkened room for long, uncertain periods, in solitatry confinement and complete silence. Gagarin himself described the experience.
"There was no sound, not even the slightest rustle. No movement of the air-nothing. It was sacanny unnerving, "
He would shut his eyes and imagine himself in a space-cabin in orbit, looking at the world passing beneath him; or sometimes he would recite half-remembered poetry to himself.
The, came parachute training. Gagarin made forty parachute jumps of gradually increasing difficulty.
One of the most interesting of the training experiments was the method of providing experience of weightlessness. In the early stages the express lift of the great Moscow University building was used. From the twenty-eighth floor to the bottom allowed a drop of 500 feet. At a certain high speed the passenger would find himself suspended between the floor and ceiling of the lift without support. This was a convenient and inexpensive way of reproducing 'zero gravity'.
Special air brakes prevented the lift from crashing as it reached the bottom.
On the morning of April 12, Gagarin rose at 5.30. he was zipped into his complicated space-suit, on top of which went a pale blue fibre suit, and finally an orange one. Then an air Force bus drove him to the launching site in company with various helpers. The gantry lift took him up 100 feet, to the nose of the rocket, and he entered the cabin (name Vostok) with a wave to those below.

A. he could come down in less time.
B. he did not have to pay for it.
C. it was very thrilling.
D. he experienced zero gravity.

Answer: D

Sol: The correct answer is **(d) he experienced zero gravity.** The passage describes how Gagarin used the express lift in the Moscow University building to experience weightlessness. By using this lift, he could simulate zero gravity, an essential part of his training for space travel.

Q.122 Study the following statements:
A. On April 12, Gagarin woke up at 5.00
B. He wore a blue space suit.
C. He travelled in space in Vostok.
Read the passage given below and answer the questions that follow:
Perhaps the worst of the ordeals was to be shut in a darkened room for long, uncertain periods, in solitatry confinement and complete silence. Gagarin himself described the experience.
"There was no sound, not even the slightest rustle. No movement of the air-nothing. It was sacanny unnerving, "
He would shut his eyes and imagine himself in a space-cabin in orbit, looking at the world passing beneath him; or sometimes he would recite half-remembered poetry to himself.
The, came parachute training. Gagarin made forty parachute jumps of gradually increasing difficulty.
One of the most interesting of the training experiments was the method of providing experience of weightlessness. In the early stages the express lift of the great Moscow University building was used. From the twenty-eighth floor to the bottom allowed a drop of 500 feet. At a certain high speed the passenger would find himself suspended between the floor and ceiling of the lift without support. This was a convenient and inexpensive way of reproducing 'zero gravity'.
Special air brakes prevented the lift from crashing as it reached the bottom.
On the morning of April 12, Gagarin rose at 5.30. he was zipped into his complicated space-suit, on top of which went a pale blue fibre suit, and finally an orange one. Then an air Force bus drove him to the launching site in company with various helpers. The gantry lift took him up 100 feet, to the nose of the rocket, and he entered the cabin (name Vostok) with a wave to those below.

A. A and B are wrong but C is right.
B. A and B are right but C is wrong.
C. B and C are right but A is wrong.
D. A and C are right but B is wrong.

Answer: A

Sol: The correct answer is (a) A and B are wrong but C is right. **Statement A**: "On April 12, Gagarin woke up at 5:00." This is incorrect. The passage states that Gagarin rose at 5:30.
Statement B: "He wore a blue space suit." This is incorrect. The passage mentions that he was zipped into his complicated space suit, on top of which went a pale blue fiber suit, and finally an orange one.
Statement C: "He traveled in space in Vostok." This is correct. The passage clearly states that he entered the cabin named Vostok.

Q.123 Gagarin was a/an:
Read the passage given below and answer the questions that follow:
Perhaps the worst of the ordeals was to be shut in a darkened room for long, uncertain periods, in solitatry confinement and complete silence. Gagarin himself described the experience.
"There was no sound, not even the slightest rustle. No movement of the air-nothing. It was sacanny unnerving, "
He would shut his eyes and imagine himself in a space-cabin in orbit, looking at the world passing beneath him; or sometimes he would recite half-remembered poetry to himself.
The, came parachute training. Gagarin made forty parachute jumps of gradually increasing difficulty.
One of the most interesting of the training experiments was the method of providing experience of weightlessness. In the early stages the express lift of the great Moscow University building was used. From the twenty-eighth floor to the bottom allowed a drop of 500 feet. At a certain high speed the passenger would find himself suspended between the floor and ceiling of the lift without support. This was a convenient and inexpensive way of reproducing 'zero gravity'.
Special air brakes prevented the lift from crashing as it reached the bottom.
On the morning of April 12, Gagarin rose at 5.30. he was zipped into his complicated space-suit, on top of which went a pale blue fibre suit, and finally an orange one. Then an air Force bus drove him to the launching site in company with various helpers. The gantry lift took him up 100 feet, to the nose of the rocket, and he entered the cabin (name Vostok) with a wave to those below.

A. paratrooper
B. space traveller
C. adventure tourist
D. physicist at Moscow University

Answer: B

Sol: The correct answer is **(b) space traveler**. The passage clearly identifies Gagarin as a space traveler who underwent various training exercises, including parachute jumps and weightlessness simulations, before his space mission.

Q.124 '... looking at the world passing <u>beneath</u> him.'
The underlined word is a/an_____.
Read the passage given below and answer the questions that follow:
Perhaps the worst of the ordeals was to be shut in a darkened room for long, uncertain periods, in solitatry confinement and complete silence. Gagarin himself described the experience.
"There was no sound, not even the slightest rustle. No movement of the air-nothing. It was sacanny unnerving, "
He would shut his eyes and imagine himself in a space-cabin in orbit, looking at the world passing beneath him; or sometimes he would recite half-remembered poetry to himself.
The, came parachute training. Gagarin made forty parachute jumps of gradually increasing difficulty.

Adda247 GET IT ON Google Play

One of the most interesting of the training experiments was the method of providing experience of weightlessness. In the early stages the express lift of the great Moscow University building was used. From the twenty-eighth floor to the bottom allowed a drop of 500 feet. At a certain high speed the passenger would find himself suspended between the floor and ceiling of the lift without support. This was a convenient and inexpensive way of reproducing 'zero gravity'.
Special air brakes prevented the lift from crashing as it reached the bottom.
On the morning of April 12, Gagarin rose at 5.30. he was zipped into his complicated space-suit, on top of which went a pale blue fibre suit, and finally an orange one. Then an air Force bus drove him to the launching site in company with various helpers. The gantry lift took him up 100 feet, to the nose of the rocket, and he entered the cabin (name Vostok) with a wave to those below.

A. conjunction
B. article
C. preposition
D. adverb

Answer: C

Sol: The correct answer is **(c) preposition**. The word "beneath" is a preposition as it indicates the position of the world in relation to Gagarin, showing that the world is below him.

Q.125 Study the following statements:
A. In his private life Gagarin was poet.
B. In the experimental darkroom there was no air.
Read the passage given below and answer the questions that follow:
Perhaps the worst of the ordeals was to be shut in a darkened room for long, uncertain periods, in solitatry confinement and complete silence. Gagarin himself described the experience.
"There was no sound, not even the slightest rustle. No movement of the air-nothing. It was sacanny unnerving, "
He would shut his eyes and imagine himself in a space-cabin in orbit, looking at the world passing beneath him; or sometimes he would recite half-remembered poetry to himself.
The, came parachute training. Gagarin made forty parachute jumps of gradually increasing difficulty.
One of the most interesting of the training experiments was the method of providing experience of weightlessness. In the early stages the express lift of the great Moscow University building was used. From the twenty-eighth floor to the bottom allowed a drop of 500 feet. At a certain high speed the passenger would find himself suspended between the floor and ceiling of the lift without support. This was a convenient and inexpensive way of reproducing 'zero gravity'.
Special air brakes prevented the lift from crashing as it reached the bottom.
On the morning of April 12, Gagarin rose at 5.30. he was zipped into his complicated space-suit, on top of which went a pale blue fibre suit, and finally an orange one. Then an air Force bus drove him to the launching site in company with various helpers. The gantry lift took him up 100 feet, to the nose of the rocket, and he entered the cabin (name Vostok) with a wave to those below.

A. Both A and B are right.
B. A is right and B is wrong.
C. B is right and A is wrong.
D. Both A and B are wrong.

Answer: C

Sol: Statement B is correct as it is mentioned in the passage that during Gagarin's time in the darkroom, there was no movement of the air, indicating that the air was completely still. However, statement A is incorrect because there is no information in the passage to suggest that Gagarin was a poet in his private life. He only recited half-remembered poetry to himself during solitary confinement, but that does not make him a poet.
Information Booster:
 Gagarin recited poetry to pass the time during confinement, but this does not imply he was a poet by profession or in his private life.
 The experimental darkroom had complete silence and no air movement, making it an unsettling experience.
 The passage provides a detailed description of Gagarin's training but does not discuss his personal interests in poetry.
 The stillness of the air in the darkroom added to the eerie and unnerving atmosphere.
 The experience in the darkroom helped simulate conditions of isolation that Gagarin might face in space.
Additional Information:
 Statement A: Gagarin reciting poetry does not imply that he was a poet.
 Statement B: There was no movement of air, so B is correct.

Q.126 '... and he entered the cabin'
The underlined is a/an_____ clause.
Read the passage given below and answer the questions that follow:
Perhaps the worst of the ordeals was to be shut in a darkened room for long, uncertain periods, in solitatry confinement and complete silence. Gagarin himself described the experience.
"There was no sound, not even the slightest rustle. No movement of the air-nothing. It was sacanny unnerving, "
He would shut his eyes and imagine himself in a space-cabin in orbit, looking at the world passing beneath him; or sometimes he would recite half-remembered poetry to himself.
The, came parachute training. Gagarin made forty parachute jumps of gradually increasing difficulty.
One of the most interesting of the training experiments was the method of providing experience of weightlessness. In the early stages the express lift of the great Moscow University building was used. From the twenty-eighth floor to the bottom allowed a drop of 500 feet. At a certain high speed the passenger would find himself suspended between the floor and ceiling of the lift without support. This was a convenient and inexpensive way of reproducing 'zero gravity'.
Special air brakes prevented the lift from crashing as it reached the bottom.
On the morning of April 12, Gagarin rose at 5.30. he was zipped into his complicated space-suit, on top of which went a pale blue fibre suit, and finally an orange one. Then an air Force bus drove him to the launching site in company with various helpers. The gantry lift took him up 100 feet, to the nose of the rocket, and he entered the cabin (name Vostok) with a wave to those below.

A. Coordinate
B. Noun
C. Adjective
D. Adverb

Answer: A

Sol: The correct answer is **(a) Coordinate**. In the sentence, "and he entered the cabin" is a coordinate clause. A coordinate clause is linked to another clause of equal rank by a coordinating conjunction such as "and," "but," "or," etc. Here, "and" is the coordinating conjunction connecting the clause to a preceding clause, making it a coordinate clause.

Q.127 Gagarin was shut up in a dark room:
Read the passage given below and answer the questions that follow:
Perhaps the worst of the ordeals was to be shut in a darkened room for long, uncertain periods, in solitatry confinement and complete silence. Gagarin himself described the experience.
"There was no sound, not even the slightest rustle. No movement of the air-nothing. It was sacanny unnerving, "
He would shut his eyes and imagine himself in a space-cabin in orbit, looking at the world passing beneath him; or sometimes he would recite half-remembered poetry to himself.
The, came parachute training. Gagarin made forty parachute jumps of gradually increasing difficulty.
One of the most interesting of the training experiments was the method of providing experience of weightlessness. In the early stages the express lift of the great Moscow University building was used. From the twenty-eighth floor to the bottom allowed a drop of 500 feet. At a certain high speed the passenger would find himself suspended between the floor and ceiling of the lift without support. This was a convenient and inexpensive way of reproducing 'zero gravity'.
Special air brakes prevented the lift from crashing as it reached the bottom.
On the morning of April 12, Gagarin rose at 5.30. he was zipped into his complicated space-suit, on top of which went a pale blue fibre suit, and finally an orange one. Then an air Force bus drove him to the launching site in company with various helpers. The gantry lift took him up 100 feet, to the nose of the rocket, and he entered the cabin (name Vostok) with a wave to those below.

A. to feel like in a space cabin
B. as punishment
C. to meditate
D. as an experiment

Answer: A

Sol: According to the passage, when Gagarin was shut in the dark room, he imagined himself in a space cabin in orbit, looking at the world passing beneath him. This helped him prepare mentally for the experience of space travel. The isolation and silence were meant to simulate the conditions he might face in space, allowing him to acclimate to solitude and confinement similar to being in a space cabin.
Information Booster:

Adda247 GET IT ON Google Play

- The dark room was used to simulate the isolation and solitude of a space cabin.
- Gagarin would imagine being in space while confined in the room.
- This training helped him mentally prepare for space travel.
- The dark room training was unnerving but crucial for developing endurance.
- Such methods helped astronauts adjust to the psychological challenges of space missions.

Additional Information:

- **Option (b)**: It was not for punishment but for training.
- **Option (c)**: Meditation was not the purpose; it was to simulate space conditions.
- **Option (d)**: While it was an experiment, the focus was on simulating space cabin conditions.

Q.128 '... a convenient and inexpensive way...'

Choose the word nearest in meaning to the underlined one.

Read the passage given below and answer the questions that follow:

Perhaps the worst of the ordeals was to be shut in a darkened room for long, uncertain periods, in solitatry confinement and complete silence. Gagarin himself described the experience.

"There was no sound, not even the slightest rustle. No movement of the air-nothing. It was sacanny unnerving, "

He would shut his eyes and imagine himself in a space-cabin in orbit, looking at the world passing beneath him; or sometimes he would recite half-remembered poetry to himself.

The, came parachute training. Gagarin made forty parachute jumps of gradually increasing difficulty.

One of the most interesting of the training experiments was the method of providing experience of weightlessness. In the early stages the express lift of the great Moscow University building was used. From the twenty-eighth floor to the bottom allowed a drop of 500 feet. At a certain high speed the passenger would find himself suspended between the floor and ceiling of the lift without support. This was a convenient and inexpensive way of reproducing 'zero gravity'.

Special air brakes prevented the lift from crashing as it reached the bottom.

On the morning of April 12, Gagarin rose at 5.30. he was zipped into his complicated space-suit, on top of which went a pale blue fibre suit, and finally an orange one. Then an air Force bus drove him to the launching site in company with various helpers. The gantry lift took him up 100 feet, to the nose of the rocket, and he entered the cabin (name Vostok) with a wave to those below.

A. cracking
B. contrite
C. cordial
D. handy

Answer: D

Sol: The correct answer is (d) handy. The word "handy" is nearest in meaning to "convenient," implying something that is easy to use or access and helpful in a practical way.

Q.129 Study the following statements:

A. Children were given enough pocket money on the fair day.
B. Small children would travel with their parents in a separate cart.
C. Well-to-do villagers liked to oblige the writer's father.

Read the passage given below and answer the questions that follow:

My home town in the mid-1970s was a laid-back place, resembling a remote rural area, except in having some amenities. Our house was almost at one end of the town. About 15 km away, there was a small village where a fair was held for a week every year during the harvest season. The village deity was worshipped by many from the places in the vicinity.

Devotees thronged the fair not only for divine blessings but also for watching street-shows and other entertainment events. Only a mud track led to the village and everyone reached there by walking or on bullock carts.

My father, an advocate by profession, was popular among the villagers. His clients from the place used to arrange bullock carts for us and a few family friends and relatives to attend the air.

The journey would start early in the morning. We children will be in as separated cart. I used to eagerly look forward to this occasion every year as though it was a journey of a life-time and worth enjoying every minute of it. Money saved for this fair would be trucked firmly in my pockets during the journey. Whenever the cart jerked or sped away, I would hold my pockets tightly so that coins would not spill out.

The crowd at the temple in the foothill used to be highly unorganized, especially the food counter where prasadam was served. Hot and spicy puffed rice and tea made of jiggery were the delectable combination of food and beverage every devotee craved for.

Going to the temple used to be the last priority of us children. Fearing elders' wrath, we would hurriedly finish the formality of darshan.

A. A and B are wrong but C is right.
B. A and B are right but C is wrong.
C. B and C are right but A is wrong.
D. A and C are right but B is wrong.

Answer: A

Sol: The correct answer is **(a) A and B are wrong but C is right. Statement A**: "Children were given enough pocket money on the fair day." The passage mentions that the writer saved money for the fair and tucked it firmly in his pockets, but it does not specify that children were given enough pocket money.

Statement B: "Small children would travel with their parents in a separate cart." The passage states, "We children will be in a separated cart," indicating that children traveled separately from their parents, not with them.

Statement C: "Well-to-do villagers liked to oblige the writer's father." This is correct as the passage mentions that the writer's father's clients, who were villagers, arranged bullock carts for them.

Thus, **Statement C is right** and **Statements A and B are wrong**, making option **(a) A and B are wrong but C is right** the correct answer.

Q.130 Which one of the following statements is not true?

Read the passage given below and answer the questions that follow:

My home town in the mid-1970s was a laid-back place, resembling a remote rural area, except in having some amenities. Our house was almost at one end of the town. About 15 km away, there was a small village where a fair was held for a week every year during the harvest season. The village deity was worshipped by many from the places in the vicinity.

Devotees thronged the fair not only for divine blessings but also for watching street-shows and other entertainment events. Only a mud track led to the village and everyone reached there by walking or on bullock carts.

My father, an advocate by profession, was popular among the villagers. His clients from the place used to arrange bullock carts for us and a few family friends and relatives to attend the air.

The journey would start early in the morning. We children will be in as separated cart. I used to eagerly look forward to this occasion every year as though it was a journey of a life-time and worth enjoying every minute of it. Money saved for this fair would be trucked firmly in my pockets during the journey. Whenever the cart jerked or sped away, I would hold my pockets tightly so that coins would not spill out.

The crowd at the temple in the foothill used to be highly unorganized, especially the food counter where prasadam was served. Hot and spicy puffed rice and tea made of jiggery were the delectable combination of food and beverage every devotee craved for.

Going to the temple used to be the last priority of us children. Fearing elders' wrath, we would hurriedly finish the formality of darshan.

A. Prasad distributed there was very delicious.
B. People visited the fair for divine blessings.
C. Most of the people visited the fair only for its market.
D. Prasad distribution was quite chaotic.

Answer: C

Sol: The correct answer is (c) Most of the people visited the fair only for its market. The passage states that devotees thronged the fair for divine blessings and various entertainments. It does not suggest that the market was the main attraction.

Q.131 Which one of the following statements is true?

Read the passage given below and answer the questions that follow:

My home town in the mid-1970s was a laid-back place, resembling a remote rural area, except in having some amenities. Our house was almost at one end of the town. About 15 km away, there was a small village where a fair was held for a week every year during the harvest season. The village deity was worshipped by many from the places in the vicinity.

Devotees thronged the fair not only for divine blessings but also for watching street-shows and other entertainment events. Only a mud track led to the village and everyone reached there by walking or on bullock carts.

My father, an advocate by profession, was popular among the villagers. His clients from the place used to arrange bullock carts for us and a few family friends and relatives to attend the air.

Adda247 GET IT ON Google Play

The journey would start early in the morning. We children will be in as separated cart. I used to eagerly look forward to this occasion every year as though it was a journey of a life-time and worth enjoying every minute of it. Money saved for this fair would be trucked firmly in my pockets during the journey. Whenever the cart jerked or sped away, I would hold my pockets tightly so that coins would not spill out.
The crowd at the temple in the foothill used to be highly unorganized, especially the food counter where prasadam was served. Hot and spicy puffed rice and tea made of jiggery were the delectable combination of food and beverage every devotee craved for.
Going to the temple used to be the last priority of us children. Fearing elders' wrath, we would hurriedly finish the formality of darshan.

A. People visited his home town for religious reasons also.
B. The narrator's home town was in a remote area.
C. Life was comfortable in all respects.
D. It was known for an annual fair.

Answer: B

Sol: The correct answer is (b) The narrator's home town was in a remote area. The passage describes the narrator's home town as a laid-back place resembling a remote rural area.

Q.132 The devotees <u>thronged</u> the fair.
Choose the option which is nearest in meaning to the underlined world.
Read the passage given below and answer the questions that follow:
My home town in the mid-1970s was a laid-back place, resembling a remote rural area, except in having some amenities. Our house was almost at one end of the town. About 15 km away, there was a small village where a fair was held for a week every year during the harvest season. The village deity was worshipped by many from the places in the vicinity.
Devotees thronged the fair not only for divine blessings but also for watching street-shows and other entertainment events. Only a mud track led to the village and everyone reached there by walking or on bullock carts.
My father, an advocate by profession, was popular among the villagers. His clients from the place used to arrange bullock carts for us and a few family friends and relatives to attend the air.
The journey would start early in the morning. We children will be in as separated cart. I used to eagerly look forward to this occasion every year as though it was a journey of a life-time and worth enjoying every minute of it. Money saved for this fair would be trucked firmly in my pockets during the journey. Whenever the cart jerked or sped away, I would hold my pockets tightly so that coins would not spill out.
The crowd at the temple in the foothill used to be highly unorganized, especially the food counter where prasadam was served. Hot and spicy puffed rice and tea made of jiggery were the delectable combination of food and beverage every devotee craved for.
Going to the temple used to be the last priority of us children. Fearing elders' wrath, we would hurriedly finish the formality of darshan.

A. appreciated
B. attacked
C. visited
D. crowded

Answer: D

Sol: The correct answer is (d) crowded. The word "thronged" means to crowd into a place, indicating a large number of people gathered at the fair.

Q.133 'I used to <u>eagerly</u> look forward.....'
Choose the word opposite in meaning to the underlined one.
Read the passage given below and answer the questions that follow:
My home town in the mid-1970s was a laid-back place, resembling a remote rural area, except in having some amenities. Our house was almost at one end of the town. About 15 km away, there was a small village where a fair was held for a week every year during the harvest season. The village deity was worshipped by many from the places in the vicinity.
Devotees thronged the fair not only for divine blessings but also for watching street-shows and other entertainment events. Only a mud track led to the village and everyone reached there by walking or on bullock carts.
My father, an advocate by profession, was popular among the villagers. His clients from the place used to arrange bullock carts for us and a few family friends and relatives to attend the air.
The journey would start early in the morning. We children will be in as separated cart. I used to eagerly look forward to this occasion every year as though it was a journey of a life-time and worth enjoying every minute of it. Money saved for this fair would be trucked firmly in my pockets during the journey. Whenever the cart jerked or sped away, I would hold my pockets tightly so that coins would not spill out.
The crowd at the temple in the foothill used to be highly unorganized, especially the food counter where prasadam was served. Hot and spicy puffed rice and tea made of jiggery were the delectable combination of food and beverage every devotee craved for.
Going to the temple used to be the last priority of us children. Fearing elders' wrath, we would hurriedly finish the formality of darshan.

A. indifferently
B. heartily
C. uneasily
D. easily

Answer: A

Sol: The correct answer is (a) indifferently. The opposite of "eagerly" is "indifferently," meaning without interest or enthusiasm.

Q.134 Study the following statements:
I. The writer would be very carefully while travelling in the cart.
II. Inspite of the jerks and jolts, the journey was enjoyable.
Read the passage given below and answer the questions that follow:
My home town in the mid-1970s was a laid-back place, resembling a remote rural area, except in having some amenities. Our house was almost at one end of the town. About 15 km away, there was a small village where a fair was held for a week every year during the harvest season. The village deity was worshipped by many from the places in the vicinity.
Devotees thronged the fair not only for divine blessings but also for watching street-shows and other entertainment events. Only a mud track led to the village and everyone reached there by walking or on bullock carts.
My father, an advocate by profession, was popular among the villagers. His clients from the place used to arrange bullock carts for us and a few family friends and relatives to attend the air.
The journey would start early in the morning. We children will be in as separated cart. I used to eagerly look forward to this occasion every year as though it was a journey of a life-time and worth enjoying every minute of it. Money saved for this fair would be trucked firmly in my pockets during the journey. Whenever the cart jerked or sped away, I would hold my pockets tightly so that coins would not spill out.
The crowd at the temple in the foothill used to be highly unorganized, especially the food counter where prasadam was served. Hot and spicy puffed rice and tea made of jiggery were the delectable combination of food and beverage every devotee craved for.
Going to the temple used to be the last priority of us children. Fearing elders' wrath, we would hurriedly finish the formality of darshan.

A. Both A and B are wrong.
B. A is right and B is wrong.
C. B is right and A is wrong.
D. Both A and B are right.

Answer: D

Sol: The correct answer is (d) Both A and B are right. The writer mentions holding pockets tightly to prevent coins from spilling and describes the journey as enjoyable despite the jerks and jolts.

Q.135 'Only a <u>mud</u> track led to the village'.
The underlined word is a/an_____.
Read the passage given below and answer the questions that follow:
My home town in the mid-1970s was a laid-back place, resembling a remote rural area, except in having some amenities. Our house was almost at one end of the town. About 15 km away, there

Adda247 GET IT ON Google Play

was a small village where a fair was held for a week every year during the harvest season. The village deity was worshipped by many from the places in the vicinity.
Devotees thronged the fair not only for divine blessings but also for watching street-shows and other entertainment events. Only a mud track led to the village and everyone reached there by walking or on bullock carts.
My father, an advocate by profession, was popular among the villagers. His clients from the place used to arrange bullock carts for us and a few family friends and relatives to attend the air.
The journey would start early in the morning. We children will be in as separated cart. I used to eagerly look forward to this occasion every year as though it was a journey of a life-time and worth enjoying every minute of it. Money saved for this fair would be trucked firmly in my pockets during the journey. Whenever the cart jerked or sped away, I would hold my pockets tightly so that coins would not spill out.
The crowd at the temple in the foothill used to be highly unorganized, especially the food counter where prasadam was served. Hot and spicy puffed rice and tea made of jiggery were the delectable combination of food and beverage every devotee craved for.
Going to the temple used to be the last priority of us children. Fearing elders' wrath, we would hurriedly finish the formality of darshan.

A. Adverb
B. Noun
C. Pronoun
D. Adjective

Answer: D

Sol: The correct answer is (d) Adjective. The word "mud" describes the type of track, functioning as an adjective modifying the noun "track."

Q.136 **At primary level a teacher generally motivated learners for colouring and drawing as it helps in:**

A. relaxing the teacher from teaching.
B. engaging learners to maintain silence in the class.
C. developing fine motor skills.
D. entertaining learners.

Answer: C

Sol: The correct answer is (c) developing fine motor skills. Coloring and drawing activities help young learners develop fine motor skills, which are essential for writing and other tasks that require precise hand movements.

Q.137 **The statements that describe the knowledge, skills, and attitudes that students should acquired by the end of a particular class or course come under_____.**

A. foundational literacy outcomes
B. teaching outcomes
C. learning outcomes
D. numeracy outcomes

Answer: C

Sol: The correct answer is (c) learning outcomes. Learning outcomes are the specific statements that outline what students are expected to know, be able to do, and value by the end of a course or class.

Q.138 **A teacher promotes group discussion and peer interaction in her classroom. She does not bother to correct spelling or pronunciation errors. She is using_____ approach in her classroom.**

A. Constructivist
B. Traditional
C. Eclectic
D. Structural

Answer: A

Sol: The correct answer is (a) Constructivist. The constructivist approach emphasizes active learning through discussion and interaction, focusing on students' construction of knowledge rather than rote correction of errors.

Q.139 **To teach tense in your class you use two pictures of the same person-one picture taken 15 years ago and another just clicked. You initiate a talk in the class about his present and past-his appearance, his habits. Now, you are using:**

A. Rule based Grammar
B. Prescriptive Grammar
C. Structural Grammar
D. Pedagogical Grammar

Answer: D

Sol: The correct answer is (d) Pedagogical Grammar. Pedagogical Grammar involves using practical examples and real-life contexts, such as comparing pictures to discuss tenses, to teach grammar in a way that is meaningful to students.

Q.140 **While preparing a Lesson Plan on the topic 'Pollution' what will be you first step?**

A. Frame objectives
B. Prepare introductory questions
C. Go through the topics many times
D. Select teaching aids

Answer: A

Sol: The correct answer is (a) Frame objectives. The first step in preparing a lesson plan is to frame clear objectives, which define what the students should achieve by the end of the lesson. This guides the rest of the planning process.

Q.141 **When language is learnt naturally and without any systematic practice, it is called:**

A. Learning
B. Erudition
C. Acquisition
D. Acceptance

Answer: C

Sol: The correct answer is (c) Acquisition. Language acquisition refers to the process of learning a language naturally and subconsciously, typically through immersion and interaction, without formal instruction or systematic practice.

Q.142 **Children learn a language most effectively when they have_____.**

A. motivation
B. a proficient language teacher
C. a good textbook
D. inhibition

Answer: A

Sol: Children learn a language most effectively when they have **motivation**. Motivation is a crucial factor in language learning as it drives the learner to engage actively with the language. Intrinsic or extrinsic motivation encourages children to participate in various language activities such as speaking, listening, reading, and writing. While having a proficient teacher, good textbooks, and overcoming inhibition are important, motivation fuels the desire to explore and practice the language, making learning more effective.
Information Booster:
 Motivation enhances a child's willingness to engage in language learning tasks.
 Intrinsic motivation comes from personal interest, while extrinsic motivation may come from external rewards.
 Motivation helps children to participate actively and sustain their effort over time.
 Children with strong motivation are more likely to experiment with new words and structures.
 Encouraging a positive learning environment boosts children's motivation to learn.
Additional Information:
 A proficient language teacher: While essential, the teacher alone cannot ensure effective learning without student motivation.
 A good textbook: A helpful resource, but motivation drives children to use it effectively.
 Inhibition: Inhibition hinders learning, making it an incorrect option.

Q.143 **Linguistic competence enables learners to_____.**

A. use more and more English
B. differentiate grammatically correct and incorrect sentences
C. know how and when to use the language appropriately
D. Both b and c

Answer: D

Sol: Linguistic competence enables learners to **differentiate grammatically correct and incorrect sentences** and **know how and when to use the language appropriately**. Linguistic competence refers to the mastery of grammar, syntax, and vocabulary, allowing a learner to form sentences that follow the rules of the language. Additionally, pragmatic competence, a part of linguistic competence, helps learners understand the appropriate use of language in different social contexts.
Information Booster:
 Grammatical competence enables learners to recognize the structure of correct and incorrect sentences.
 Pragmatic competence helps learners understand how language should be used in different social contexts.
 Linguistic competence includes knowledge of vocabulary, grammar, syntax, and semantics.
 It enables learners to communicate effectively and appropriately in various situations.
 Language learners develop competence through practice and exposure to both formal and informal language use.
Additional Information:
 Use more and more English: While linguistic competence helps in increasing English usage, it focuses more on accuracy and appropriateness.
 Differentiate grammatically correct and incorrect sentences: Linguistic competence includes this ability.
 Know how and when to use the language appropriately: Pragmatic and sociolinguistic knowledge, part of linguistic competence, allows for appropriate usage.

Q.144 **A teacher brings real-life objects like umbrella, raincoat, screwdriver etc to her class. She asks the learners to describe the objects in two to three sentences. The materials that the teacher brings in the class is technically called_____.**

A. Realia
B. Language input
C. Teaching instruments
D. Tools

Answer: A

Sol: The correct answer is (a) Realia. Realia refers to real-life objects brought into the classroom to help students connect language learning to real-world experiences.

Q.145 **Today Raju is very happy as he is going to school. He is the first from his family to come to school. None in his family, not even his parents, had ever been enrolled in and school. Raju is thus a _____ learners.**

A. Minority
B. First generation
C. Second generation
D. Marginalized

Answer: B

Sol: The correct answer is (b) First generation. A first-generation learner is someone who is the first in their family to attend school or receive formal education.

Q.146 **One of the important features of_____ is that the learners solve problems collectively-either in a pair r in a group.**

A. structural approach
B. communicative language teaching
C. behaviorist approach
D. whole language approach

Answer: B

Sol: The correct answer is (b) communicative language teaching. Communicative language teaching (CLT) emphasizes interaction and communication in language learning, often through group work and pair activities to solve problems collectively.

Q.147 **A teacher asks her learners to write a paragraph on 'water'. Then the learners start discussion what they have been taught in science and social science classes. Then they being to write paragraph on water. This is an example of:**

A. Communicative approach
B. Language in use

Test Prime By Adda247

Previous Year Papers PDF

PRACTICE MORE, SCORE HIGHER!

PDF

Free 25,000+ PDF's

High-Quality | Exam-Wise | Updated Regularly

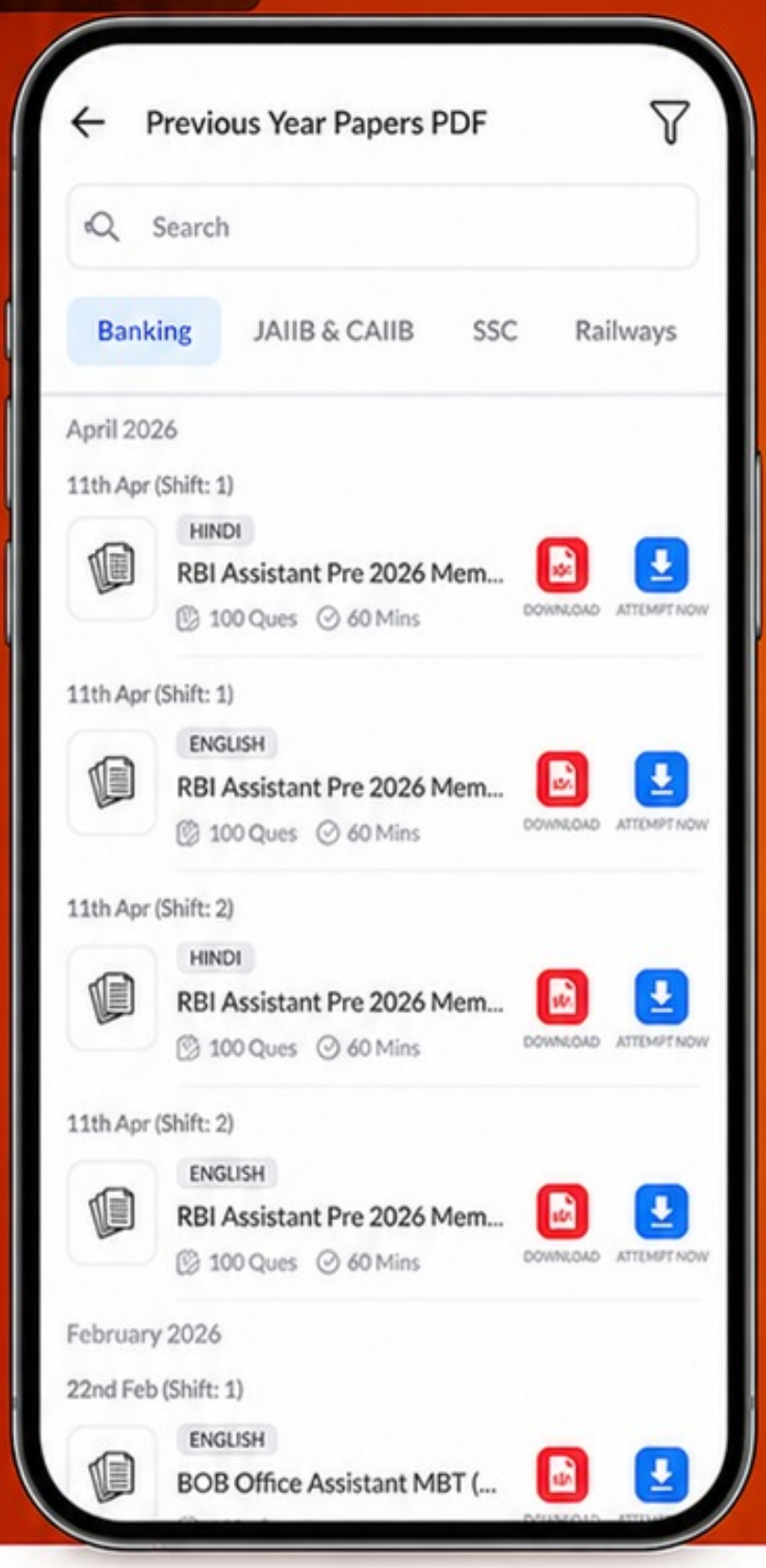

ATTEMPT AS MOCK

Turn PDFs into real exam experience.
Analyze. Improve. Succeed.

- Topic-wise & Exam-wise PDFs
- Download & Study Offline
- Attempt as Mock & Track Score
- Smart Analysis & Performance

AVAILABLE IN

Banking | SSC | Railway | Teaching | UGC | Agriculture | Nursing

Bihar | UP | Punjab | WB | Odisha | TN | AP & Telangana | Haryana

DOWNLOAD THE APP

C. Language of science
D. Language across curriculum

Answer: D

Sol: The correct answer is (d) Language across curriculum. Language across the curriculum refers to using language skills to explore and express content knowledge in various subjects, integrating language learning with other areas of study.

Q.148 **You as a teacher find that the language used in the lesson is very difficult for your leaners. You simplify the language and also make certain changes in the content to suit your leaners. What you have done is called_____.**

A. Review
B. Adopting
C. Adaptation
D. Evaluation

Answer: C

Sol: The correct answer is (c) Adaptation. Adaptation involves modifying the content and language of a lesson to make it more accessible and suitable for the learners' level and needs.

Q.149 **You were born and brought up in a village where everybody spoke Hindi and you too began using this language without going to any school. Later when you went to school you went to school you studies English, Sanskrit, Hindi and Urdu. Now, you speak English very fluently. Now which is your first language?**

A. Sanskrit
B. English
C. Hindi
D. Urdu

Answer: C

Sol: The correct answer is (c) Hindi. Your first language, or mother tongue, is the language you learned first and used naturally in your environment without formal education, which in this case is Hindi.

Q.150 **When you go to teach, you find that the textbook beings with rhymes and picture stories and end with the alphabet. Which approach does this kind of arrangement suggest in language pedagogy**

A. Aesthetic approach
B. Bottom up approach
C. Top down approach
D. Eclectic approach

Answer: C

Sol: The correct answer is (c) **Top-down approach.** The top-down approach in language pedagogy emphasizes understanding language in context from the very beginning. This approach starts with larger concepts and meaningful content, such as stories and rhymes, to help students grasp the language through context and usage. By using picture stories and rhymes, the textbook helps students understand and enjoy the language, building comprehension and familiarity with the language structure in a holistic manner.